



पेज 8

**सुप्रभात**

बड़ी से बड़ी बात को सरल से सरल तरीके से कहना उच्च संस्कृति का प्रमाण है। साहस गया कि आदमी की समझदारी उसके साथ गई। - एमरसन

**मौसम का भिजाज**

सूर्यास्त (4 जून)
7:14 बजे, सूर्योदय (5 जून)
6:00 बजे, तापमान: 33 डिग्री से. (आंधी-तूफान की ज्यादा संभावना।)

शॉर्ट स्टोरी

सीएम के एक फोन से सत्तरा का सरेंडर

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

छत्रपति संभाजीनगर-जालना विधान परिषद सीट को लेकर महायुति में उभरे मतभेदों के बीच शिवसेना नेता अब्दुल सत्तार ने उनके बेटे समीर सत्तार का नामांकन वापस लेने के संकेत दे दिए हैं। शिवसेना नेता अब्दुल सत्तार ने बताया कि विधान परिषद चुनाव के मुद्दे पर उनकी मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से फोन पर बातचीत हुई। सीएम ने उन्हें नामांकन वापस लेने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि मैं कल (गुरुवार) कार्यकर्ताओं की बैठक बुलाऊंगा और उनसे चर्चा कर समीर सत्तार का नामांकन वापस लेने की प्रक्रिया पूरी करूंगा। कार्यकर्ताओं को विश्वास में लेकर निर्णय लेने से किसी तरह की नाराजगी नहीं रहती। रात में सत्तार वर्षा बंगले पर भी पहुंचे।

महाराष्ट्र की चीनी मिल को मिला पेटा का प्रमाणपत्र

हिंदमाता नेटवर्क @ सोलापुर

महाराष्ट्र के सोलापुर जिले की एक चीनी मिल को दैनिक कामकाज में बैलों का इस्तेमाल पूरी तरह बंद करने के लिए पशु अधिकार संगठन 'पेटा' से '100 प्रतिशत बैल-मुक्त प्रमाणपत्र' मिला है। मिल ने गन्ने से लदी गाड़ियों को खींचने जैसे कार्यों में बैलों का उपयोग बंद कर दिया है। पीपुल फॉर द एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स (पेटा) इंडिया द्वारा सोलापुर के अवेगांव स्थित 'जय हिंद शुगर प्राइवेट लिमिटेड' को यह प्रमाणपत्र प्रदान किया गया है। पेटा के अनुसार, 100 % बैल-मुक्त प्रमाणपत्र एक ऐसी पहल है जो अपने कामकाज से बैलों के श्रम को पूरी तरह से समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध चीनी मिलों को सम्मान देती है।

अब स्कूल बस के लिए देने होंगे ज्यादा पैसे

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

महाराष्ट्र के स्कूलों में पढ़ रहे बच्चों के अभिभावकों के लिए जरूरी खबर है। नए स्कूल सेशन शुरू होने के साथ बच्चों को स्कूल बस से भेजना महंगा हो जाएगा। जून 2026 से स्कूल बस शुल्क में 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी हो जाएगी। महाराष्ट्र के स्कूल बस ऑनर्स एसोसिएशन ने ये घोषणा की है। बढ़ा हुआ शुल्क शैक्षणिक वर्ष 2026-27 से लागू होगा। दरअसल, महंगाई की वजह से ये फैसला लिया गया है। डीजल के दाम लगातार बढ़ रहे हैं। स्कूल बस ऑनर्स एसोसिएशन का कहना है कि डीजल, कर्मचारियों के वेतन, वाहन रखरखाव, बीमा, टोल आदि खर्चों में बढ़ोतरी के कारण यह निर्णय लिया गया है।

सीबीआई हिरासत में अमिताभ झुनझुनवाला

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

एक स्थानीय अदालत ने अनिल अंबानी के नेतृत्व वाली रिलायंस कम्युनिकेशंस के पूर्व समूह प्रबंध निदेशक अमिताभ झुनझुनवाला को कार्गट बैंक घूँघाघड़ी मामले में पांच जून तक सीबीआई की हिरासत में भेज दिया। झुनझुनवाला को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के विशेष न्यायाधीश जेपी दारेकर के समक्ष पेश किया गया। उन्हें सोमवार को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था। सीबीआई की ओर से विशेष लोक अभियोजक ए. तिमोसिन और जितेंद्र शर्मा पेश हुए। सीबीआई ने विस्तृत जांच के लिए झुनझुनवाला को उसकी हिरासत में भेजे जाने का अनुरोध किया। इससे पहले झुनझुनवाला को हिहाड़ केंद्रीय जेल में रखा गया था।

समृद्धि पर बस-ट्रक टक्कर में 20 घायल

हिंदमाता नेटवर्क @ वाशिम

महाराष्ट्र के वाशिम जिले के समृद्धि महामार्ग पर मंगलवार और बुधवार की मध्य रात्री को एक बड़ा सड़क हादसा हुआ। वैनन नंबर 223 के पास संजय ट्रैवलस की एक यात्री बस टुक से जा टकराई। हादसा इतना भीषण था कि बस में सवार करीब 20 यात्री घायल हो गए। बस चालक, क्लीनर समेत चार लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, दुर्घटनाग्रस्त बस में कुल 34 यात्री सवार थे। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि बालक का वाहन पर नियंत्रण खो जाने के कारण बस टुक से जा भिड़ी। टक्कर के बाद बस में अफरा-तफरी मच गई और यात्रियों में चीख-पुकार सुनाई देने लगी।

दैनिक

हिंदमाता

मिरर

RNI. NO. MAHHIN/2011/43060

पैनी नजर, पुख्ता खबर

मालवीय नगर के छह मंजिला होटल में भीषण आग

● मरने वाले 22 लोगों में 17 विदेशी

● अधिकतर मृतक नाइजीरिया, बांग्लादेश और लाइबेरिया से

● कोई एग्जिट नहीं थी, खिड़की से गिर रहे थे लोग



दिल्ली में अग्नितांडव

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

दिल्ली के मालवीय नगर के होजरानी स्थित फ्लरिश स्टे में बुधवार की सुबह भीषण आग लग गई। आग की चपेट में आने से 22 लोगों की मौत हो चुकी है और 37 से ज्यादा घायल हैं। दमकल विभाग की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। मिली जानकारी के मुताबिक दिल्ली पुलिस ने बताया कि मालवीय नगर अग्निकांड में कुल 22 लोगों की मौत हुई है। इन मृतकों में 17 विदेशी नागरिक शामिल हैं। अधिकांश मृतक लाइबेरिया, नाइजीरिया, मोजांबिक और बांग्लादेश के रहने वाले थे। इस अग्नितांडव के दौरान 40 से ज्यादा लोगों को बचा लिया गया। घायलों को मैक्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस दौरान एक पल भी बर्बाद करने का समय नहीं था और स्थानीय लोग तुरंत मदद के लिए आगे आए। उन्होंने खिड़कियों के शीशे तोड़े और कंबल लेकर उन लोगों को बचाने के लिए दौड़े। इस हादसे में मौतों का आंकड़ा और बढ़ने की संभावना है क्योंकि घायल हुए लोगों का इलाज अस्पताल में चल रहा है।

सिलेंडर फटा होगा, इसी वजह से लगी होगी आग

मैक्स हेल्थकेयर के एक बयान के अनुसार, सिलेंडर विस्फोट के कारण यह घटना होने की आशंका है। दिल्ली पुलिस ने बताया कि इस घटना के बाद दिल्ली फायरब्रिगेड की टीम ने बड़े पैमाने पर बचाव अभियान चलाया और लोगों को बचाने की कोशिश की। हालांकि आग लगने का सटीक कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। इस घटना की वजहों की आधिकारिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

पीएम मोदी ने की मुआवजे की घोषणा

पीएम नरेंद्र मोदी और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस हादसे पर दुख जताया है। पीएमओ की तरफ से हादसे में मारे गए लोगों के परिवार के लिए दो लाख रुपए और घायलों को पचास हजार रुपए की मदद का ऐलान किया गया है।

दिल्ली पुलिस ने दर्ज किया गैर इरादतन हत्या का मामला

दिल्ली पुलिस ने मालवीय नगर अग्निकांड में गैर इरादतन हत्या और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की अन्य संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

ऐसी सभी इमारतों का निरीक्षण करने के निर्देश

मालवीय नगर आग की घटना पर दिल्ली अग्निशमन सेवा के पीआरओ एके मलिक ने कहा कि आज दिल्ली सरकार के मंत्री ने घटनास्थल का दौरा किया और संबंधित डीसी और एसडीएम को निर्देश दिए कि ऐसी सभी इमारतों का तत्काल निरीक्षण किया जाए। मंत्री ने आज शाम तक इस संबंध में एक रिपोर्ट भी मांगी है।

चीख-पुकार से दहला परिसर

चश्मदीनों ने बताया कि जब आग की लपटें तेजी से बहुमंजिला इमारत में फैल गई, तो वहां अफरा-तफरी मच गई। जान बचाने की कोशिश में कई लोगों को ऊपरी मंजिलों से कूदना पड़ा। मालवीय नगर में जिस जगह आग लगी थी, उसके पास रहने वाले एक स्थानीय निवासी मंसूर ने बताया कि कैसे उन्होंने और दूसरे स्थानीय लोगों ने इमारत के अंदर फंसे लोगों की मदद करने की कोशिश की। मंसूर ने कहा, 'मेरा घर ठीक सामने है... सुबह करीब 8:00 बजे, हमें नीचे से फोन आने लगे कि आग लग गई है। हम बाहर निकले, नीचे देखा और अंदर से आवाजें सुनी, 'बचाओ, बचाओ' ...

जमीन पर गददे बिछा दिए

मंसूर ने बताया- फिर हम लेमन ग्रीन होटल गए और आस-पास के सभी होटलों से गददे निकालकर इकट्ठा किए। उन्होंने बताया कि कुछ विदेशी थे, वे चौथी मंजिल से बाहर नहीं निकल पा रहे थे, फिर, हम सामने वाली इमारत में गए और ऊपर से एक रस्सी डाली। उस महिला ने रस्सी पकड़ भी ली थी, लेकिन वह फिसल गई, फिर भी वह गद्दों पर गिरी। वह बच गई। बिल्कुल आखिर में, जब आग बहुत ज्यादा तेज हो गई थी, तब एक महिला चौथी मंजिल से लटकी और सुरक्षित नीचे उतर गई।

धोखा दे गया इलेक्ट्रॉनिक गेट

मंसूर ने बताया- इमारत के मुख्य दरवाजे पर एक इलेक्ट्रॉनिक गेट था जो रात में अपने आप बंद हो जाता था। क्योंकि आग की वजह से बिजली चली गई थी, इसलिए गेट पूरी तरह से जाम हो गया था और खुल नहीं रहा था। बाहर निकलने का कोई रास्ता ही नहीं था। आग ग्राउंड और पहली मंजिल पर लगी थी, जिससे दूसरी, तीसरी और चौथी मंजिल पर रहने वाले लोग पूरी तरह से फंस गए थे। फिर हमने नीचे से ईंटें और पत्थर फेंके, जिससे शीशे टूट गए। दो भारतीय आदमी दूसरी मंजिल से कूद गए, लेकिन उन्हें चोट लग गई।

गोद में बच्चा लिए महिला ने तीसरी मंजिल से लगा दी छलांग

● एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया, एक महिला अपनी गोद में छोटे बच्चे को लेकर तीसरी मंजिल से कूद गई। उससे पहले स्थानीय लोगों ने इमारत में फंसे लोगों को बचाने के लिए नीचे जमीन पर गढ़ बिछा दिए थे।

● पर्यक्षदर्शियों के अनुसार, महिला बच्चे के साथ एक गद्दे पर गिरी और उसे कुछ चोटें आई होंगी। इसके तुरंत बाद उसे नजदीकी अस्पताल ले जाया गया।

सुबह 8.50 मिनट पर आग लगने की सूचना मिली

दिल्ली फायर सर्विस टीम को मालवीय नगर में फ्लरिश स्टे रेस्तरां में सुबह 8 बजकर 50 मिनट पर आग लगने की सूचना प्राप्त हुई। जिसके तुरंत बाद दमकल विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। बताया जा रहा है कि रेस्तरां के बेसमेंट से ये आग लगनी शुरू हुई।



रेस्टोरेट के पास नहीं था फायर एनओसी

मालवीय नगर हादसे में जिस रेस्टोरेट में आग लगी, उसे लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। उस रेस्टोरेट के पास फायर का एनओसी भी नहीं था। दिल्ली सरकार के 'बेड एंड ब्रेकफास्ट' योजना के तहत इस होटल को प्रशासन की ओर से केवल छह कमरों के संचालन की अनुमति मिली थी, लेकिन यहां करीब 25 कमरे संचालित किए जा रहे थे। जहां आग लगी वहां मौजूद 47 लोगों में विदेशी कई छात्र भी शामिल थे। जब आग लगी तो चीखते चिल्लाते हुए लोग जान बचाने के लिए बिल्डिंग से भी कूद गए।

लोकेश बजाज होटल का मालिक

जिस होटल में यह घटना हुई, उस होटल के मालिक की पहचान लोकेश बजाज के रूप में हुई है। सूत्रों के अनुसार, होटल के संचालन में तीन पार्टनर शामिल हैं। बताया जा रहा है कि इन पार्टनर्स के पास दिल्ली में कई अन्य होटल और गेस्ट हाउस भी हैं। पुलिस और अन्य जांच एजेंसियां होटल के मालिक, संचालन और सुरक्षा मानकों से जुड़े पहलुओं की जांच कर रही हैं।

RNI. NO. MAHHIN/2011/43060

पैनी नजर, पुख्ता खबर

मुंबई और पुणे में आंधी-तूफान का अलर्ट

पानी बरसा छुल्ल-छुल्ल नाला सफाई के दावे गुल

● क्यों करोड़ों खर्च के बाद भी नहीं सुलझ रही समस्या?

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

मानसून से पहले की गतिविधियां तेज होने के कारण मुंबई और पुणे में 3-4 जून को गरज, बिजली और मध्यम बारिश की आशंका मौसम विभाग ने जताई है। इन शहरों और आसपास के जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है, जिसमें कम समय में तेज बारिश और तूफानी हवाओं की चेतावनी दी गई है। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, मुंबई और पुणे में 3 जून और 4 जून को मौसम फिर से खराब रहने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने महाराष्ट्र के कई हिस्सों में आंधी-तूफान, बिजली गिरने और हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान लगाया है। इन दोनों शहरों के साथ-साथ ठाणे और पालघर जैसे आस-पास के जिलों के लिए भी 'येलो अलर्ट' जारी किया गया है। इसका मतलब है कि यहां कम समय के लिए, लेकिन तेज बारिश और तेज हवाएं चल सकती हैं। बुधवार को मुंबई और एमएमआर रोजन में कहीं छिटपुट, तो कहीं जोरदार बारिश हुई। लेकिन सबसे चौंका देने वाली और दुर्भाग्यपूर्ण बात यह रही कि छुल्ल-छुल्ल बरसे पानी में ही नगर निगमों के नाला सफाई के सारे दावे गुल होते दिखे।

अंधेरी सबवे पानी में डूबा

पश्चिमी उपनगरों में हुई भारी बारिश ने एक बार फिर अंधेरी सबवे की बदहाली को उजागर कर दिया है। पूर्व और पश्चिम को जोड़ने वाला यह महत्वपूर्ण मार्ग बुधवार सुबह मानसून की अपवाहिक शुरुआत से पहले ही पानी में डूब गया, जिससे यातायात पूरी तरह पप हो गया। यह स्थिति पिछले साल के अनुभवों की याद दिलाती है, जब जून से अक्टूबर के बीच यह सबवे 27 अलग-अलग दिनों में कुल 49 घंटों के लिए जलमग्न रहा था और इसे 33 बार बंद करना पड़ा था।

ताजा घटनाक्रम और बीएमसी की कार्रवाई

बुधवार सुबह 7 से 8 बजे के बीच अंधेरी में 49 मिमी और पास के वसोवा में 69 मिमी भारी बारिश दर्ज की गई। इसके परिणामस्वरूप सुबह 7-40 बजे सबसे को यातायात के लिए बंद कर दिया गया। बीएमसी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 2,500 घन मीटर प्रति घंटा की संयुक्त क्षमता वाले तीन डीवाटरिंग पंपों को सक्रिय किया, जिससे पानी तेजी से निकाला गया और सुबह 8:24 बजे तक मार्ग को फिर से संचालित कर दिया गया।

सबवे के बार-बार डूबने के मुख्य कारण

अधिकारियों के अनुसार, अंधेरी सबवे की भौगोलिक स्थिति इसे जलभराव के प्रति अत्यंत संवेदनशील बनाती है। यह क्षेत्र आसपास की सड़कों और राजमार्गों से लगभग 10 मीटर नीचे स्थित है, जिससे ऊंचाई वाले इलाकों का साफ पानी ढलान के कारण यहीं जमा हो जाता है। सबवे की गहराई मात्र 0.9 मीटर है। इसके अलावा इसके नीचे से गुजरने वाला मींगरा नाला जब भी उफान पर होता है, उसका पानी सीधे सबवे में प्रवेश कर जाता है।

प्रस्तावित समाधान और भविष्य की चिंता

बीएमसी इस समस्या के स्थाई समाधान के लिए आईआईटी बॉम्बे के विशेषज्ञों के साथ मिलकर दो मुख्य विकल्पों पर विचार कर रही है। एक होल्टिंग पोंड का निर्माण और मौजूदा ड्रेनेज नेटवर्क का मार्ग बदलना। हालांकि इन योजनाओं को लागू करने में देरी होने की संभावना है। प्रशासन ने 15 जून तक योजना को अंतिम रूप देने का लक्ष्य रखा है, लेकिन निर्माण कार्य इस साल अक्टूबर के बाद ही शुरू हो पाएगा। इसका स्पष्ट अर्थ है कि वालू मानसून सीजन में भी यात्रियों को राहत मिलने की उम्मीद कम है।



लापरवाही का मारा नालासोपारा: बुधवार को नालासोपारा में हुई हल्की बारिश में ही सड़कों पर जलजमाव देखने को मिला। मोटरसाइकिल सवारों, पैदल नागरिकों को इस दौरान परेशानी का सामना करना पड़ा। कई जगह आटोरिक्सा बंद पड़ते देखे गए। नालासोपारा में आबादी तेजी से बढ़ी है, लेकिन सुविधाएं उसी तेजी से सिमटी हैं। जहां-तहां बिना किसी प्लानिंग के बिल्डिंग बनी हैं। नालों में कचरा भरा पड़ा है। बारिश की पहली बूंदें पड़ते ही यहां लोगों के मन में गर्मी से राहत मिलने की खुशी की जगह बरसात में होनेवाली समस्याओं का भय ज्यादा गहरा होता दिखा। (फोटो- सचिन हलदे)

कोई एक व्यक्ति किसी शहर की समस्याएं हल नहीं कर सकता: बीएमसी कमिश्नर अश्विनी भिड़े

मुंबई को देश की आर्थिक राजधानी कहा जाता है। हर साल लाखों लोग यहां बेहतर रोजगार और बेहतर जिंदगी की तलाश में आते हैं, लेकिन मानसून आते ही मुंबई की रफ्तार पर सवाल उठने लगते हैं। बारिश के दौरान जलभराव, ट्रैफिक जाम और लोकल ट्रेन सेवाओं पर असर जैसी समस्याएं अक्सर चर्चा में रहती हैं। इस पर बीएमसी कमिश्नर अश्विनी भिड़े ने कहा कि अक्सर यह धारणा बनाई जाती है कि बारिश आते ही मुंबई ठहर जाती है, जबकि वास्तविक स्थिति इससे अलग है। पिछले साल मुंबई में 125 मिलीमीटर से अधिक बारिश हुई थी, लेकिन लोकल ट्रेन सेवाएं केवल कुछ घंटों के लिए प्रभावित हुई थीं। बसों के कुछ रूट बदले गए थे, लेकिन शहर का अधिकांश हिस्सा सामान्य रूप से चलता रहा। उन्होंने कहा कि बीएमसी ने कई इलाकों में पानी जमा होने की समस्या को कम करने के लिए बड़े जल भंडारण टैंक बनाए हैं। इसके अलावा जल निकासी व्यवस्था को भी मजबूत किया गया है, जिससे बाढ़ जैसी स्थिति पहले की तुलना में काफी कम हुई है। मुंबई की सबसे बड़ी चुनौती क्या है, इस सवाल पर अश्विनी भिड़े ने कहा कि कोई एक व्यक्ति किसी शहर की समस्याएं हल नहीं कर सकता। बीएमसी एक बड़ा संस्थान है जो करोड़ों लोगों के जीवन से जुड़े कई जरूरी काम करता है। नागरिकों तक बेहतर सेवाएं पहुंचाना ही उनकी और उनकी पूरी टीम की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। चाहे सड़कें हों, फुटपाथ हों, कचरा प्रबंधन हो या फिर मानसून के दौरान राहत कार्य, हर क्षेत्र में सुधार करना लगातार चलने वाली प्रक्रिया है।

मानसून से निपटने के लिए क्या है बीएमसी की तैयारी?

मानसून की तैयारियों पर बोलते हुए अश्विनी भिड़े ने बताया कि बीएमसी ने इस बार भी कई स्तरों पर तैयारी की है। उन्होंने कहा कि शहर के प्रमुख और छोटे नालों की सफाई पूरी कर ली गई है। मुंबई में 8 बड़े पंपिंग स्टेशन और 35 से अधिक छोटे पंपिंग स्टेशन सक्रिय हैं। इसके अलावा 500 से ज्यादा हाई कैपेसिटी पंप लगाए गए हैं, जिन्हें आधुनिक आईओटी तकनीक से जोड़ा गया है। इन पंपों की निगरानी कंट्रोल रूम से की जाती है। जैसे ही किसी इलाके में पानी जमा होने की स्थिति बनती है, वहां से पानी निकालने की प्रक्रिया तुरंत शुरू की जा सकती है।

लो-लाइंग इलाकों में जलभराव रोकना संभव नहीं

बीएमसी कमिश्नर ने माना कि मुंबई के कुछ निचले इलाकों में भारी बारिश और हाई टाइड के दौरान पानी भरना पूरी तरह रोकना नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि समुद्र से घिरे शहर होने के कारण कुछ प्राकृतिक सीमाएं हैं, लेकिन बीएमसी का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि पानी जल्दी निकले और लोगों को कम से कम परेशानी हो।

बीएमसी पर भ्रष्टाचार और लापरवाही के आरोप

इस स्थिति को लेकर राजनीतिक विवाद भी शुरू हो गया है। मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष वर्षा गायकवाड़ और नेता सचिन सावंत ने बीएमसी पर भ्रष्टाचार और मानसून पूर्व तैयारियों में लापरवाही के आरोप लगाए हैं, जिससे शहर के ड्रेनेज सफाई दावों पर सवाल उठ रहे हैं।

आईएसआई और अंडरवर्ल्ड कनेक्शन की जांच में बड़ा एक्शन

अब आरोपी को दिल्ली लाया जाएगा और परसो उसे पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया जाएगा। इसके बाद जांच एजेंसियां उससे आगे की पूछताछ करेंगी और मामले के अन्य पहलुओं की जांच को आगे बढ़ाएंगी। जांच से जुड़ी जानकारी के अनुसार हुजैफा फारुक अहमद हाशमी पिछले एक महीने से पाकिस्तान में बंदे यावर खान के संपर्क में था। इसी कड़ी में जांच एजेंसियां उसके कथित संपर्कों और लेन-देन से जुड़े पहलुओं की भी पड़ताल कर रही है। फिलहाल दिल्ली स्पेशल सेल और महाराष्ट्र एटीएस इस मामले में आगे की जांच में जुटी हुई है।



पूरे मॉड्यूल का हंडलर मुन्ना झिगाड़ा!

पूछताछ के दौरान पता चला है कि पूरे मॉड्यूल का हंडलर सैयद मुदस्सर हुसैन उर्फ मुन्ना झिगाड़ा है। मुन्ना झिगाड़ा को अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम और उसके करीबी छोट शकील को बेहद भरोसेमंद माना जाता है। जांच में सामने आया कि वही इस नेटवर्क का ऑपरेशन हेड था और पाकिस्तान से निदेश दे रहा था।

सात साल की बच्ची के लापता होने से मचा हड़कंप

900 सीसीटीवी खंगालने के बाद सामने आई सच्चाई

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे

दिवा से एक ऐसा मामला सामने आया जिसने तीन दिनों तक पुलिस, परिवार और पूरे इलाके को सांसें थामे रखीं। सात वर्षीय मासूम साक्षी पांडे के अचानक लापता होने से जहां परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा, वहीं पुलिस के सामने भी यह एक बड़ी चुनौती बन गई। 900 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने और दिन-रात चले सच ऑपरेशन के बाद जो सच्चाई सामने आई, उसने हर किसी को हैरान कर दिया।

रात को सामान लेने निकली थी मासूम

यह घटना 28 मई की रात करीब साढ़े आठ बजे की है। साक्षी घर से कुछ खाने का सामान लेने निकली थी, लेकिन जब वह दर रात तक वापस नहीं लौटी तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। कोई सुरांग न मिलने पर परेशान परिवार ने मुंबा पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत 6 स्पेशल टीम बनाई, जिसमें 60 से अधिक पुलिसकर्मी और अधिकारी शामिल थे।

...जब पुलिस दरवाजा सीसीटीवी के आधार पर पुलिस आखिरकार बदलापुर में उस व्यक्ति के घर तक पहुंच गई। जब पुलिस ने दरवाजा खटखटाया, तो अंदर का नजारा देख राहत की सांस ली। बच्ची पूरी तरह सुरक्षित थी और उस व्यक्ति के तीन बच्चों के साथ खेल रही थी।

पनवेल में तीन गंभीर घटनाओं से मचा हड़कंप

मृत नवजात मिलने, दिव्यांग नाबालिग के गर्भवती होने और सात वर्षीय बच्ची से छेड़छाड़ के मामलों से क्षेत्र में चिंता

हिंदमाता संवाददाता @ पनवेल

पनवेल क्षेत्र में मंगलवार को तीन अलग-अलग गंभीर अपराधिक घटनाएं सामने आने से नागरिकों में चिंता का माहौल है। पनवेल शहर, खापर और खादिश्वर पुलिस थानों में दर्ज इन मामलों में मृत नवजात को ठिकाने लगाने का आरोप, दिव्यांग नाबालिग लड़की से दुष्कर्म कर उसे गर्भवती बनाने तथा सात वर्षीय बच्ची के साथ अश्लील हरकत करने की घटनाएं शामिल हैं। पुलिस तीनों मामलों की जांच में जुटी है।

मृत नवजात मिलने से सनसनी

पनवेल शहर पुलिस थाने में दर्ज मामले के अनुसार, लाइन आळी क्षेत्र स्थित एक निजी अस्पताल के शौचालय में करीब पांच से छह माह का मृत भ्रूण मिला। पुलिस का आरोप है कि 22 वर्षीय महिला ने जन्म को छिपाने के उद्देश्य से गर्भपात कर भ्रूण को फिनाइल मिले पानी की बाल्टी में छिपा दिया था। मामले में भारतीय न्याय सहिता की धारा 94 के तहत अपराध दर्ज किया गया है। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक निरंजन ठाकरे के निर्देश पर विशेष टीम महिला की तलाश कर रही है।

बच्ची से छेड़छाड़ का मामला

तीसरे मामले में आकुली स्थित एक आवासीय परिसर से सात वर्षीय बच्ची के साथ अश्लील हरकत करने के आरोप में 40 वर्षीय सुमेश घोषे के खिलाफ पॉक्सो कानून के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोप है कि आरोपी ने बच्ची को लुका-छिपी खेलने का लावत देकर इमारत की सीढ़ियों के नीचे ले जाकर उसके साथ अनुचित व्यवहार किया।

महिला खिलाड़ियों की सुरक्षा और सुविधा के लिए राज्यभर में एकसमान नीति बनाने के निर्देश

खेल मैदानों में सुविधाएं अनिवार्य

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

उपमुख्यमंत्री एवं खेल मंत्री सुनेत्रा अजित पवार ने बुधवार को अधिकारियों को निर्देश दिए कि महाराष्ट्र के सभी खेल मैदानों में महिला खिलाड़ियों के लिए सुरक्षित, सम्मानजनक और प्रोत्साहनकारी वातावरण सुनिश्चित करने हेतु प्रसाधन सुविधाएं, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, पृथक चेंजिंग कमरा तथा सीसीटीवी निगरानी व्यवस्था अनिवार्य करने के लिए राज्यस्तरीय एकसमान नीति तैयार की जाए।

चलती ट्रेन में ‘गोल्ड हाइस्ट’!

• सोते रहे ज्वेलर, करोड़ों का सोना लेकर फरार हो गया गैंग, 6 महीने बाद ऐसे खुला राज

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

रात गहरी थी... सिद्धेश्वर एक्सप्रेस अपनी रफ्तार से मुंबई की ओर दौड़ रही थी। एसी कोच में ज्यादातर यात्री नींद की आगोश में थे। उन्हीं में एक ज्वेलरी व्यापारी भी था, जिसकी ट्रॉली बैग में करोड़ों रुपए के सोने के आभूषण रखे थे। लेकिन उसे क्या पता था कि उसी डिब्बे में कुछ ऐसी नजरे भी उसका पीछा कर रही हैं, जो उसकी हर गतिविधि पर पैनी निगाह बनाए हुए थीं। व्यापारी गहरी नींद में सो गया... और इसी के साथ शुरू हुआ एक ऐसा ‘गोल्ड हाइस्ट’, जिसने रेलवे पुलिस के भी होश उड़ा दिए। करीब छह महीने बाद अब मुंबई

सीसीटीवी में दिखी परछाइयां

घटना के बाद कल्याण रेलवे पुलिस में मामला दर्ज हुआ, न कोई अप्रत्यक्ष गवाह और न ही कोई ठोस सुरांग। इसके बाद मुंबई रेलवे पुलिस आयुक्त एम.राकेश कलासागर और डीसीपी प्रज्ञा जेठगे के निर्देश पर जांच रेलवे क्राइम ब्रांच को सौंपी गई। क्राइम ब्रांच ने सिद्धेश्वर एक्सप्रेस के सोलापुर से कल्याण तक के पूरे रूट की पड़ताल शुरू की। रेलवे स्टेशनों के सीसीटीवी कैमरे खंगाले गए, सराफा बाजारों पर नजर रखी गई और तकनीकी जांच के जरिए सदिश चेहरों की चिह्नित किया गया। सैकड़ों घंटे की फुटेज और महीनों की मेहनत के बाद पुलिस को एक संगठित गिरोह की गतिविधियां दिखाई देने लगीं।

ऐसे करता था गिरोह शिकार

जांच में सामने आया कि यह गिरोह ट्रेनों में सफर करने वाले व्यापारियों और लंबी दूरी के यात्रियों पर विशेष नजर रखता था। गिरोह के सदस्य पहले यह पता लगाते थे कि किस यात्री के पास कीमती सामान है। फिर पूरी यात्रा के दौरान उसकी गतिविधियां पर नजर रखी जाती थी। जैसे ही यात्री नींद में जाता, गिरोह अपना खेल कर देता। रेलवे पुलिस को आशंका है कि यह गिरोह कई अन्य राज्यो में भी इसी तरह की वारदातों में शामिल रहा हो सकता है।

एफडीए की बड़ी कार्रवाई

प्रतिबंधित पान मसाला, सुगंधित तंबाकू और नकली उपकरण जप्त, 11 आरोपियों पर केस

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

महाराष्ट्र में प्रतिबंधित खाद्य पदार्थों और नकली उत्पादों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत खाद्य एवं औषध प्रशासन (एफडीए) और पुलिस ने भिवंडी में विभिन्न स्थानों पर बड़ी कार्रवाई की है। अलग-अलग मामलों में प्रतिबंधित पान मसाला, सुगंधित तंबाकू और कथित नकली इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद किए गए हैं। इन मामलों में कुल 11 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

प्रतिबंधित पान मसाला बरामद

पहली कार्रवाई शांतीनगर पुलिस थाना क्षेत्र में की गई। खाद्य सुरक्षा अधिकारी प्रवीण बालासाहेब शिंदे की शिकायत पर खड्पाड़ा रोड स्थित यू मेट्रो पान शॉप पर छापा मारकर करीब 22 हजार रुपए मूल्य का प्रतिबंधित पान मसाला और अन्य खाद्य पदार्थ जप्त किए गए। जांच में अवैध भंडारण और बिक्री की पुष्टि होने पर मोहम्मद ताहेर और मोहम्मद इरशад के खिलाफ बीएसएन तथा खाद्य सुरक्षा एवं मादक अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया।

नौ पानटपरी संचालकों पर केस

दूसरी कार्रवाई कोनगांव पुलिस थाना क्षेत्र के राजनोली नाका और भिवंडी बायापास इलाके में की गई। एफडीए और पुलिस की संयुक्त टीम ने नौ पानटपरी संचालकों के यहां छापेमारी कर लगभग 20,908 रुपए मूल्य का प्रतिबंधित पान मसाला और सुगंधित तंबाकू जप्त किया। पुलिस के अनुसार राज्य सरकार के प्रतिबंध के बावजूद इन उत्पादों की अवैध बिक्री जारी थी। मामले की जांच पुलिस उपनिरीक्षक दिलीप दुमणे कर रहे हैं।

नकली उपकरणों का मामला

इसी दौरान शांतीनगर पुलिस ने किलोस्कर कंपनी के नाम पर कथित रूप से नकली ऑटोमेटिक वोटिंग रेगुलेटर (एवीआर) बेचने के मामले का भी खुलासा किया। दुणे निवासी परशुराम कारंडे की शिकायत पर दमघर स्थित एक दुकान से करीब 12 हजार रुपए मूल्य के सदिश उपकरण जप्त किए गए। इस मामले में जेड इसाक शेख और तबाकर अली शेख के खिलाफ कॉपीराइट अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि जलब उपकरणों की तकनीकी जांच कराई जा रही है और मामले की आगे की जांच जारी है।

वसई-विरार में गिरे चार पेड़

मानसून पूर्व बारिश के बाद कई इलाकों में पेड़ धराशायी

हिंदमाता संवाददाता @ वसई

वसई-विरार शहर में मानसून पूर्व हुई तेज बारिश के बाद विभिन्न क्षेत्रों में पेड़ गिरने की घटनाएं सामने आने लगीं हैं। बुधवार को हुई जोरदार बारिश और तेज हवाओं के कारण शहर के चार अलग-अलग स्थानों पर पेड़ गिर गए। हालांकि सभी घटनाओं में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, लेकिन एक स्थान पर वाहनों को भारी नुकसान पहुंचा है।

टेम्पो पर गिरा विशाल पेड़

सबसे बड़ी घटना वसई पूर्व स्थित औद्योगिक क्षेत्र में हुई, जहां सड़क किनारे खड़े दो टेम्पो पर एक बड़ा पेड़ अचानक गिर पड़ा। इस हादसे में दादू सुके और लखन शर्मा के टेम्पो पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। सूचना मिलते ही वसई-विरार महानगरपालिका के अग्निशमन दल ने मौके पर पहुंचकर कटर मशीन की मदद से पेड़ की शाखाएं हटाई और यातायात बलब कराया।

अन्य इलाकों में भी गिरे पेड़

विरार पश्चिम के म्हाजेवाडी स्थित प्रमेशे अपार्टमेंट के सामने, फुलपाड़ा क्षेत्र, वसई पश्चिम में डीएनए कार्यालय के पास तथा निर्मल गणपति सेंटर के निकट भिडेवाड़ा इलाके में भी पेड़ गिरने की घटनाएं दर्ज की गईं। अग्निशमन विभाग ने सभी स्थानों पर तत्परता दिखाते हुए पेड़ों को हटाने का काम किया। हालांकि किसी तरह की जनहानि नहीं हुई, लेकिन मानसून शुरू होने से पहले ही पहली तेज बारिश में इस तरह की घटनाएं सामने आने से नागरिकों में आगामी बरसात को लेकर चिंता बढ़ गई है।

एक रात और करोड़ों का खेल

6 और 7 दिसंबर 2025 की दरम्यानी रात गोरेगांव निवासी ज्वेलरी कारोबारी अभयकुमार मदनलाल जैन सोलापुर से कल्याण की यात्रा कर रहे थे। सिद्धेश्वर एक्सप्रेस के ए-1 कोच में सीट नंबर 49 पर बैठे जैन ने अपनी दो ट्रॉली बैग सीट के नीचे चेन और लॉक से सुरक्षित बांध रखी थीं। बैग में सोने के आभूषण और अन्य कीमती सामान रखा था। लेकिन चोरों ने सुरक्षा के इन झतजामों को भी चुनौती दे दी। रात के अंधेरे में, जब पुरा कोच नींद में डूबा हुआ था, गिरोह ने बेहद साफ सें ट्रॉली बैग पार कर दी और अगले ही पल करोड़ों रुपए का माल लेकर गायब हो गया। सुबह आंख खुली तो व्यापारी के पैरों तले जमीन खिसक चुकी थी।

पहचान मिटाने के लिए गलाया सोना

पुलिस पुछताछ में जो खुलासा हुआ, उसने जांच अधिकारियों को भी चौंका दिया। आरोपियों ने चोरी के तुरंत बाद सोने के आभूषणों को गलाकर लगड़ियों में तब्दील कर दिया था, ताकि उसकी पहचान पूरी तरह खत्म हो जाए और पुलिस तक कोई सबूत न पहुंचे। लेकिन अपराधियों की यह चाल ज्यादा दिनों तक नहीं चल सकी। छापेमारी के दौरान पुलिस ने 250 ग्राम, 548.5 ग्राम और 300 ग्राम वजन की तीन सोने की लगड़ियां बरामद कीं। बरामद सोने की कुल कीमत 1.62 करोड़ रुपए से अधिक आंकी गई है।

छह महीने की जंग, आखिरकार पुलिस की जीत

चलती ट्रेन में करोड़ों के सोने की चोरी, फिर सबूत मिटाने के लिए उसे गलाकर नया रूप देना और महीनों तक पुलिस को चक्का देना... यह किसी क्राइम थ्रिलर फिल्म की कहानी जैसी जरूर लग सकती है, लेकिन मुंबई रेलवे क्राइम ब्रांच ने साबित कर दिया कि अपराधी चाहे कितने भी शायिर क्यों न हों, कानून की पकड़ से ज्यादा दिनों तक बच नहीं सकते। अब पुलिस की नजर गिरोह के बाकी फरार सदस्यों पर है। माना जा रहा है कि उनकी गिरफ्तारी के साथ इस हाई-प्रोफाइल ‘गोल्ड हाइस्ट’ के और भी कई राज सामने आ सकते हैं।

258 झोपड़ियां ध्वस्त

30 साल पुरानी बस्ती पर रेलवे की कार्रवाई

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

दिवा-वसई रेलवे लाइन के अंजुरफाटा क्षेत्र स्थित रहनाळ ग्राम पंचायत की लक्ष्मण नगर झोपड़पट्टी पर बुधवार को मध्य रेलवे प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 258 झोपड़ियों को ध्वस्त कर दिया। जेसीबी मशीनों की मदद से चलाए गए इस अभियान के दौरान भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। रेलवे प्रशासन का कहना है कि रेलवे भूमि पर हुए अतिक्रमण को हटाने के लिए यह कार्रवाई की गई।

30 साल पुरानी बस्ती उजड़ी

स्थानीय निवासियों के अनुसार लक्ष्मण नगर बस्ती पिछले लगभग 30 वर्षों से अस्तित्व में थी। यहां रहने वाले परिवारों को ग्राम पंचायत की ओर से बिजली, पानी सहित अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई गई थीं। क्षेत्र में आगवादी भी संचालित हो रही थी। कार्रवाई के बाद सैकड़ों परिवारों के सामने आवास का संकट खड़ा हो गया है।

पुनर्वसन की मांग

पूर्व सरपंच राजेंद्र भोर्डे ने कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि बस्ती में बड़ी संख्या में आदिवासी और भटव्या समाज के परिवार रहते थे। उन्होंने मांग की कि प्रभावित परिवारों का उचित पुनर्वसन किए बिना ऐसी कार्रवाई नहीं होनी चाहिए। भोर्डे ने कहा कि सरकार और रेलवे प्रशासन को मानवताई दृष्टिकोण अपनाते हुए बेघर हुए लोगों के पुनर्वास की तत्काल व्यवस्था करनी चाहिए।

एफडीए का बड़ा अभियान, 203 प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई, 102 गिरफ्तार

नकली और मिलावटी खाद्य पदार्थों पर सख्त शिकंजा

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने राज्यभर में नकली पान मसाला, प्रतिबंधित गुटखा, मिलावटी दूध और अन्य खाद्य पदार्थों के खिलाफ व्यापक अभियान चलाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। 25 मई से 31 मई के बीच 203 प्रतिष्ठानों पर छापेमारी की गई, 86 स्थानों को सील किया गया तथा 102 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। आयुक्त तुकाराम मुंडे के निर्देश पर मुंबई, कोकण, पुणे, नांदेड, छत्रपति संभाजीनगर, अमरावती और नागपुर संभागों में प्रतिबंधित गुटखा और पान मसाले के कारोबारियों के खिलाफ अभियान चलाया गया। कोकण में 47, मुंबई में 22, पुणे में 14 तथा अन्य संभागों में कई स्थानों पर कार्रवाई कर कुल 102 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इस दौरान 34.05 लाख रुपए मूल्य का माल जब्त किया गया। ‘सेफ फूड, सेफ ड्रग, सेफ महाराष्ट्र’ अभियान के तहत एफडीए ने मिलावटी, असुरक्षित और अस्वच्छ परिस्थितियों में तैयार खाद्य पदार्थों के खिलाफ भी सख्त कदम उठाए। मुंबई, सोलापुर, कोल्हापुर, सांगली, सतारा, बीड, जालना, नांदेड, परभणी, सोलापुर, अमरावती, अकोला, जलगांव और रायगढ़ समेत कई जिलों में छापेमारी की गई। कार्रवाई के दौरान 73 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया और आम, खोवा, बेकरी उत्पाद, डेयरी उत्पाद, खाद्य तेल, ची, मसाले, आइसक्रीम, कुल्फी तथा अन्य खाद्य पदार्थों सहित 90,639 लीटरलोग्राम सामग्री जब्त की गई। अन्य खाद्य पदार्थों की कीमत 1.24 करोड़ रुपए से अधिक बताई गई है। नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशालाओं में भेजा गया है।

समन्वय से कार्य करने के निर्देश

उन्होंने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि राज्य के सभी खेल मैदानों पर महिला खिलाड़ियों के लिए आवश्यक सुविधाएं विकसित करने के उद्देश्य से अवलभ्यक के साथ कार्य करें तथा इस कार्य में एकरूपता बनाए रखें। साथ ही उन्होंने विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर उसके प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। बैठक में राज्य के खेल मैदानों पर महिला खिलाड़ियों के लिए उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं की वर्तमान स्थिति, आवश्यक सुधारों तथा भविष्य की विकास योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई।

शॉर्ट स्टोरी

नशा और जुआ पर शिकंजा

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

शहर और आसपास के क्षेत्रों में मादक पदार्थ सेवन तथा अवैध जुआ गतिविधियों के खिलाफ पुलिस ने व्यापक अभियान चलाते हुए कई आरोपियों को गिरफ्तार किया है। शांतीनगर, निजामपुरा, कोनगांव, भोईवाड़ा और भिवंडी शहर पुलिस थाना क्षेत्रों में एनडीपीएस एक्ट और महाराष्ट्र जुगार प्रतिबंधक अधिनियम के तहत अलग-अलग मामले दर्ज किए गए हैं। पुलिस के अनुसार 2 जून को विभिन्न स्थानों पर खुलेआम गंजा सेवन करने और जुआ खेलते हुए कई लोगों को रंगे हाथ पकड़ा गया। अधिकांश मामलों में आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8(क) और 27 के तहत कार्रवाई की गई है। वहीं जुआ मामलों में महाराष्ट्र जुगार प्रतिबंधक अधिनियम के तहत केस दर्ज किए गए हैं। शांतीनगर पुलिस ने संजय नगर और पाइपलाइन क्षेत्र में नशा करने वालों पर कार्रवाई की, जबकि धामनगर नाका इलाके में जुआ खेलते तीन लोगों को हिरासत में लेकर नकदी और जुआ सामग्री जप्त की। निजामपुरा पुलिस ने खोपी ब्रिज सहित कई स्थानों पर गंजा सेवन के मामलों में कार्रवाई की। वहीं भोईवाड़ा पुलिस ने एक रिक्शा चालक को नशा करने के आरोप में गिरफ्तार किया तथा अमीना कंघाउंड सेवन में जुआ खेल रहे दो लोगों से नकदी और जुआ सामग्री बरामद की। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि नशे और अवैध जुआ के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

जिला बैंक में कपिल पाटिल निर्विरोध

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

ठाणे जिला मध्यवर्ती सहकारी बैंक के निदेशक पद पर पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री कपिल पाटिल का निर्विरोध चयन हुआ है। उनके निर्वान में सहकारिता क्षेत्र में भाजपा को बड़ी सफलता मिली है। बैंक के भिवंडी तालुका प्राथमिक कृषि ऋण, संयुक्त कृषि तथा विभिन्न कारकारी सहकारी सेवा संस्था निर्वान क्षेत्र से उनका निर्विरोध चुनाव हुआ। कपिल पाटिल इससे पहले जिला परिषद तथा ठाणे जिला मध्यवर्ती सहकारी बैंक के अध्यक्ष पर की जिम्मेदारी भी संभाल चुके हैं। सहकारिता क्षेत्र में उनके लंबे अनुभव, प्रभावी नेतृत्व और किसानों व ग्रामीण विकास के लिए किए गए कार्यों को देखते हुए उनके चयन का स्वागत किया जा रहा है। राजनीतिक, सामाजिक, शैक्षणिक और सहकारी संस्थाओं के पदाधिकारियों ने उन्हें बधाई दी। सहकारिता क्षेत्र के जानकारों का मानना है कि उनके नेतृत्व से बैंक के विकास को नई दिशा मिलेगी और ठाणे-पालनर पर एटककर उसकी क्षेत्र और अधिक मजबूत होगा। निर्वान के बाद कपिल पाटिल ने कहा कि किसानों, बैंक सदस्यों और आम जनता के हितों को प्राथमिकता देते हुए सहकारिता क्षेत्र को और अधिक सशक्त बनाने का प्रयास किया जाएगा।

दहेज प्रताड़ना का केस

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

दहेज प्रताड़ना, मारपीट और दिव्य तलाक देने के आरोप में भोईवाड़ा पुलिस ने पति समेत चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने विभिन्न धाराओं के तहत जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार गुजरात के वापी निवासी 28 वर्षीय महिला ने शिकायत में बताया कि उनका निकाह वर्ष 2019 में भिवंडी निवासी मोहम्मद आमिर मेहफूज खान से हुआ था। विवाह के बाद वह संसुलत में रहने लगीं, जहां पति, सास नुराना बानो खान, ससुर मोहम्मद मेहफूज खान और देवर सारीम खान द्वारा दहेज की मांग को लेकर मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किए जाने का आरोप लगाया गया है। महिला ने गाली-गलोज और मारपीट का भी आरोप लगाया है। शिकायत के अनुसार पति ने तीन बार ‘तलाक’ कहकर विवाह समाप्त करने की घोषणा की। महिला का यह भी आरोप है कि भरोसा सेल में हुई बातचीत के दौरान पति ने दूसरा विवाह करने की बात कही थी। पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ दहेज प्रताड़ना और भ्रुष्टम महिला (विधवा के अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 2019 की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। फिलहाल किसी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है और मामले की जांच जारी है।

महंगाई के खिलाफ कांग्रेस का मोर्चा

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

बढ़ती महंगाई, पेट्रोल-डीजल और घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में लगातार हो रही वृद्धि के विरोध में कांग्रेस पार्टी ने भिवंडी में जनप्रबोध मोर्चा निकालकर केस सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। ठाणे जिला ग्रामीण कांग्रेस के महासचिव पंकज गायकवाड़ के नेतृत्व में शेरार क्षेत्र से प्रात कार्यालय तक निकाले गए मोर्चे में कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की। मोर्चे के बाद कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने उपविभागीय अधिकारी कार्यालय के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में पेट्रोल और डीजल पर वेट 35 प्रतिशत से घटकर 5 प्रतिशत तथा घरेलू गैस पर वेट 22 प्रतिशत से कम करने की मांग की गई। साथ ही खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों पर नियंत्रण लगाने की भी मांग उठाई गई। पंकज गायकवाड़ ने कहा कि ईंधन और गैस पर अधिक करों के कारण परिवहन खर्च बढ़ रहा है, जिससे आवश्यक वस्तुओं के दाम भी लगातार बढ़ रहे हैं। भिवंडी शहर कांग्रेस अध्यक्ष आर्जुन मंसंब ने कहा कि महंगाई से मध्यम वर्ग, मजदूर और गरीब सबसे अधिक प्रभावित हैं। उन्होंने कहा कि जनता के मुद्दों को लेकर कांग्रेस का आंदोलन आगे भी जारी रहेगा।

48 घंटे में खिलारा गिरफ्तार

हिंदमाता संवाददाता @ मीरा रोड

काशीगांव पुलिस ने 4 वर्षीय मासूम की हत्या के सनसनीखेज मामले का महज 48 घंटे के भीतर पदाफांश करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार आरोपी ने बच्चे को जमीन पर एटककर उसकी हत्या की और सबूत मिटाने के लिए शव को नाले में फेंक दिया था। पुलिस को 1 जून को सूचना मिली थी कि नौलकामन नाका स्थित नरमकार पेट्रोल पंप के पास एक नाले में छोटे बच्चे का शव पड़ा है। सूचना मिलते ही पुलिस, फायर ब्रिगेड और एम्बुलेंस की टीम मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकालकर अस्पताल भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शुरुआत में मामला आकस्मिक मृत्यु का माना गया था, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट में शरीर पर मिली चोटों को मृत्यु पूर्व की चोटें बताया गया। इसके बाद पुलिस ने हत्या और साक्ष्य नष्ट करने का मामला दर्ज कर जांच तेज कर दी। जांच के दौरान पुलिस को शंभू राऊ शर्मा उर्फ नेपाली पर संदेह हुआ। गुप्त सूचना के आधार पर जरीमरी तालाब क्षेत्र से उसे हिरासत में लिया गया। पुछताछ में आरोपी ने अपराध स्वीकार कर लिया। पुलिस के अनुसार आरोपी मूल रूप से नेपाल का निवासी है और काशीगांव क्षेत्र में रह रहा था। पुलिस मामले के अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है।

रिश्वत लेते लिपिक गिरफ्तार

हिंदमाता संवाददाता @ वसई

वसई-विरार शहर महानगरपालिका के सांतीवली स्थित जी वाई कार्यालय में कार्यरत लिपिक दिलीप लक्ष्मण लोखंडे (52) को जेटी करस्थान ब्यूरो (एसबीबी), ठाणे ने 10 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रोजगार गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई से मनुष्य प्रशासन में हड़कंप मच गया है। एसबीबी के अनुसार शिकायतकर्ता को एक जमीन मालिक की ओर से अधिکارग्रस्त दिया गया था। संबंधित जमीन पर एवरे कक्का और बिना अनुमति पेड़ काटने के मामले में नोटिस जारी कर कार्रवाई करने के लिए लोखंडे ने 10 हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी। शिकायतकर्ता ने रिश्वत देने से इनकार करते हुए 27 मई को एसबीबी में शिकायत दर्ज कराई। जांच के दौरान रिश्वत मांगने की पुष्टि होने पर एसबीबी ने 2 जून को जाल बिछाया। शाम करीब 5:20 बजे जी वाई कार्यालय में शिकायतकर्ता से 10 हजार रुपए स्वीकार करते समय लोखंडे को रंगेहाथ पकड़ लिया गया। एसबीबी ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है।

रंजिश में जानलेवा हमला

हिंदमाता संवाददाता @ कल्याण

कल्याण पश्चिम के महात्मा फुले चौक पुलिस थाना क्षेत्र में पुरानी रंजिश को लेकर हुए करते हुए मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि भावेश नाडेकर ने चाकू से उमेश सुरेश पर हमला कर दिया, जिससे उनके चेहरे, छाती और पैट पर गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद घायल को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया। महाम्ता फुले चौक पुलिस ने हत्या के प्रयास समेत विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

मेरे में सुशीला गावस्कर ने कहा कि इन नन्हें बेहادر बच्चों से उनके लिए बहुत भावनात्मक अनुभव था। उन्होंने बच्चों की उनके और अस्पताल तथा रॉयल वेल्थ द्वारा किए जाने वाले कई कार्यक्रमों का देखकर गहरी प्रेरणा महसूस की। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्यकर्मियों के लिए यह देखकर बहुत खुशी होती है कि समय पर की गई मदद और लोगों की उदारता किन्ती जटिलियों को बदल सकती है।

जन्मजात हृदय दोष का समय पर कोई उपचार

श्री स्वयं साईं ज्योतीजी चावड्हा हाई स्कूल रोडर के बाल हृदय शल्य चिकित्सा विभाग की प्रमुख डॉ. प्रभाता रश्मि ने समय पर बीमारी की पहचान और इलाज के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यदि जन्मजात हृदय दोष का समय पर उपचार न किया जाए, तो यह जानलेवा साबित हो सकता है। लेकिन सही समय पर की गई सर्जरी और उचित चिकित्सा से बच्चों के जीवन की गुणवत्ता बेहतर हो सकती है और उनके जैविक रहने की संभावना भी काफी बढ़ जाती है। यह पहल कई रोटररी संगठनों और अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के सहयोग से सफल हो पाई है। इसमें रोटररी क्लब बर्लिन डेन्डरशेनल, रोटररी जिला बर्लिन, रोटररी क्लब दिल्ली साउथ, रोटररी जिला दिल्ली, रोटररी क्लब मुंबई एलिगेंट, रोटररी क्लब एलिगेंट नक्स, रोटररी क्लब बे.यू. रोटररी क्लब मुंबई कोस्टलान्ड, रोटररी क्लब घाटकोटा पर पूर्व और अमेरिका के इंडियाना स्थित रोटररी क्लब फॉर्ट डेन शामिल हैं।

विचार प्रवाह



प्रेम की रीति अटूटी है। इसमें उलझते तो नयन हैं, पर परिवार टूट जाते हैं, प्रेम की यह रीति नई है इससे चतुर प्रेमियों के चित्त तो जुड़ जाते हैं पर दुष्टों के हृदय में गांठ पड़ जाती है।

- बिहारी

संपादकीय

नशे पर शिकंजा

निस्संदेह, नशे का निरंतर फैलता काला कारोबार एक राष्ट्रीय संकट है। देश के विभिन्न भागों में करोड़ों-अरबों रुपए मूल्य के विदेशों से आने वाले नशीले पदार्थों की बरामदगी भयावह संकट की तस्वीर उकेरती है। संगठित विदेशी अपराधियों की साजिशों और देश में फैले नशा तस्करों का गठजोड़, इस नशीले जहर के कारोबार को चला रहा है। आज जरूरत इस बात की है कि देश की तमाम खुफिया एजेंसियां व राज्य के विशेष पुलिस बल योजनाबद्ध ढंग से नशा कारोबारियों की कमर तोड़ें। लेकिन फिर भी कई राज्यों द्वारा चलाये जा रहे नशा विरोधी अभियान बिगड़ते हालात सुधारने में किसी हद तक मददगार साबित हो सकते हैं। पिछले दिनों पंजाब में भी ऐसा अभियान चलाया गया। अब सीमावर्ती जम्मू-कश्मीर में वर्षों से गहराते नशे के संकट के खिलाफ अभियान शुरू किया जा रहा है। सवाल यह है कि राज्य में नशे के कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई शुरू करने में इतना वक्त क्यों लगा? अब भले ही देर से ही सही, यह पहल शुरू करना वक्त की जरूरत है। नशे के नश्टर से हमारी युवा पीढ़ी बर्बाद हो रही है और कई इरों के चिराग असमय बुड़ा रहे हैं। केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, बीस जिलों का दौरा करके सो दिवसीय नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर मार्च का नेतृत्व कर रहे हैं। वहीं इस अभियान का सुखद पहलू यह है कि दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में, इस कोशिश को प्रतिबध्दित संगठन जमाते-ए-इस्लामी के एक गुट का भी समर्थन मिला है। कहना कठिन है कि इस समर्थन का हकीकत में असर कितना होगा। लेकिन इस घोषणा ने सकारात्मक संदेश जरूर दिया है कि समाज के विभिन्न वर्गों के सामूहिक प्रयासों से ही इस भयावह होते संकट का मुकाबला किया जा सकता है। सही मायने में समाज में व्याप्त तमाम वैचारिक मतभेदों को दरकिनार करते हुए, सामूहिक व निरंतर प्रयासों से ही नशा मुक्ति की लड़ाई को अंजाम तक पहुंचाया जा सकता है। वास्तव में नशा विरोधी अभियान के मार्ग में बाधा पैदा करने वाली जटिलताओं के मुकाबले के लिये कुछ दिन, कुछ माह के अभियान के बजाय साल में 365 दिन चलने वाली रणनीति अपनाने की जरूरत है। कभी-कभार चलाए जाने वाले अभियान इसके लक्ष्य को पाने में ज्यादा मददगार साबित नहीं हो सकते। इस संकट के समाधान के लिये नशे की लत के सामाजिक पहलुओं की भी व्यापक पड़ताल जरूरी है। कारगर समाधान हेतु सामाजिक स्तर पर रणनीति बनाने की जरूरत होती है। निस्संदेह, नशे की लत के तमाम कारण हमारे समाज में विद्यमान हैं। जिनके निराकरण की दिशा में भी कदम उठाने की जरूरत है। मसलन इस व्यसन के मूल में समाज में व्याप्त बेरोजगारी, निराशा, सामाजिक व आर्थिक असमानताएं, बुरी संगत का असर तथा मादक पदार्थों की समाज में आसान उपलब्धता आदि कारक निहित हैं। चिंताजनक है कि नशा अब स्कूल-कालेजों तक को अपनी गिरफ्त में ले रहा है। कई राज्यों में नशे की आपूर्ति में बच्चों को इस्तेमाल करने के चिंताजनक उदाहरण सामने आए हैं। वहीं यदि नशा मुक्ति के लिये चलाये जा रहे पुनर्वास कार्यक्रमों में शिथिलता अपनायी जाती है तो सख्ती से हासिल होने वाली उपलब्धियां व्यर्थ हो जाती हैं। यह सत्य है कि नशा एक ऐसा रोग है, जिसका कोई आसान इलाज उपलब्ध नहीं है। जहां एक ओर नशीले पदार्थों की आपूर्ति पर अंकुश लगाया जरूरी है, तो दूसरी ओर इसकी तलब को काबू करने के लिये भी प्रयास जरूरी हैं। दुर्भाग्यपूर्ण है कि नशे की डोज जुटाने के लिये कुछ छात्र व युवा अपराध की राहों में फिसल जाते हैं। इसलिये जरूरी हो जाता है कि नियमित रूप से नशा तस्करों और ड्रग पेडलरों की गिरफ्तारी करके तुरंत सजा दी जाए। वहीं दूसरी ओर नशे की खरीद-फरोख में सिलपता पर ड्राइविंग लाइसेंस रद्द करने, पासपोर्ट निरस्त करने से भी जहरीले कारोबार पर अंकुश लगाने में मदद मिल सकती है। साथ ही सीमावर्ती संवेदनशील राज्यों में, जहां सीमा पार से नशे की तस्करी आतंकवाद को जिंदा रखने के लिये की जा रही है, वहां अतिरिक्त सावधानी की भी जरूरत है। नशा तस्करों की गिरफ्तारी के तुरंत बाद सजा देना, इस अभियान में मददगार साबित होगा।

आज का इतिहास



■ 2001 - नेपाल के नवनियुक्त नरेश दीपेन्द्र का अस्पताल में निधन, ज्ञानेन्द्र की ताजपोशी के विरोध में हिंसा भड़की, हत्याकांड की न्यायिक जांच के लिए एक आयोग गठित।

■ 2003 - डोमिनिक गणराज्य की 18 वर्षीय सुन्दरी एमीलिया वेगा 'मिस यूनिवर्स-2003' बनीं।

■ 2005 - लालकृष्ण आडवाणी ने कराची में मोहम्मद जिन्ना के धर्मनिरपेक्ष व्यक्ति बताया।

■ 2006 - यूगोस्लाविया के पूर्व गणराज्य मोंटेनेग्रो ने स्वतंत्रता की घोषणा की।

■ 2007 - चीन के उपप्रधानमंत्री होंग चू का निधन।

ब्राजील के राष्ट्रपति लुइस इनासियो लुला डि सिल्वा को वर्ष 2006 का जवाहरलाल नेहरू पुरस्कार प्रदान किया गया।

■ 2008 -हरियाणा सरकार ने पारिवारिक पेंशन का लाभ 25 वर्ष से कम उम्र की लड़कियों को भी देने की घोषणा की।

न्यूयार्क की सोनेदर हिलेरी क्लिंटन को पछाड़ते हुए बराक ओबामा ने अमेरिकी राष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवारी हासिल की।

■ 2011 -नए सर्वेक्षण में खुलासा हुआ है कि भारतीय लोग आर्थिक वृद्धि पर पर्यावरण रक्षा को मामूली रूप से

प्राथमिकता देते हैं। अमेरिका की प्रमुख सर्वेक्षण एजेंसी 'गैलप' ने अमेरें ताजा सर्वेक्षण में कहा कि ज्यादातर आबादी अर्थव्यवस्था से ज्यादा पर्यावरण पर ध्यान केंद्रित किए हुए हैं।

अर्थशास्त्र में नोबेल पुरस्कार जीतने वाले भारतीय अर्थशास्त्री डॉ. अमर्त्य सेन ने पश्चिमी देशों को भारत और चीन से सीख लेने की सलाह दी है। डॉक्टर सेन का कहना है कि पश्चिमी देशों को नए विचारों की जरूरत है।

■ 1988 - प्रवीण भगत - भारत के पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी हैं।

■ 1948 - अनिल शास्त्री - भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हैं।

■ 1946 - एस. पी. बालाचुक्रमण्यम - भारतीय सिनेमा के प्रसिद्ध पार्श्वगायकों में से एक हैं।

■ 1936 - नूतन - हिन्दी सिनेमा की सबसे प्रसिद्ध अभिनेत्री

■ 2018 - साहित्यकार अभिमन्यु अग्रत - मॉरीशस में हिन्दी कथा साहित्य के सम्राट थे।

■ 2016 - सुलभा देशपांडे - हिन्दी और मराठी फिल्मों की भारतीय अभिनेत्री थीं।

■ 1962 - अर्चंत लक्ष्मीपति - आयुर्वेदिक औषधियों के प्रचार-प्रसार के लिए प्रसिद्ध थे।

कागज से प्लास्टिक तक

● नोटबंदी के दस साल और नकदी की बदलती हकीकत

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली अब से करीब पांच महीने बाद, 8 नवंबर 2026 को नोटबंदी के दस वर्ष पूरे हो जाएंगे। यह वही दिन है जब वर्ष 2016 में प्रधानमंत्री ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए 500 और 1000 रुपए के नोटों को अमान्य घोषित किया था। उस समय इसे काले धन के खिलाफ सबसे बड़ी कार्रवाई बताया गया था। ऐसे में यह देखने की उत्सुकता स्वाभाविक है कि सरकार इस दशकपूर्ति को किस रूप में याद करती है।

हकीकत क्या कहती है?

यदि आज भी भारतीय रिजर्व बैंक यह बता रहा है कि देश में नकदी का उपयोग लगातार बढ़ रहा है और हर वर्ष औसतन 15 प्रतिशत की दर से नकदी का प्रसार हो रहा है, तो नोटबंदी की सफलता या विफलता पर अलग से चर्चा की आवश्यकता नहीं रह जाती। आंकड़े स्वयं बहुत कुछ कह देते हैं।

नोट छापने पर हजारों करोड़ खर्च

रिजर्व बैंक ने पिछले वर्ष केवल नोट छापने पर लगभग 5,000 करोड़ रुपए खर्च किए थे। इस वर्ष यह खर्च बढ़कर 6,378 करोड़ रुपए तक पहुंच गया। इसी तरह पिछले वर्ष लगभग 2,300 करोड़ फंटे-पुराने और खराब नोट बैंकों में जमा हुए, जबकि उससे पहले यह संख्या 2,100 करोड़ थी। आश्चर्य की बात यह है कि इनमें बड़ी संख्या उन नोटों की है जो नोटबंदी के बाद जारी किए गए थे।

डिजिटल भुगतान बनाम नकद जरूरत

अक्सर यह कहा जाता है कि अब सख्ती बेचने वाला भी डिजिटल भुगतान स्वीकार करता है। यह सच है, लेकिन इससे नकदी की जरूरत कम नहीं हुई है। उल्टे छंटे मूल्य वर्ग की नोटों की मांग लगातार बढ़ रही है। दस और बीस रुपए के नोटों का उपयोग पहले की तुलना में अधिक हो रहा है।

एटीएम के लिए भी आसान

नोटबंदी के बाद नए नोटों का आकार बदलने के कारण बैंकों को एटीएम मशीनों में बड़े पैमाने पर बदलाव करना पड़ा था। इस पर हजारों करोड़ रुपए खर्च हुए। रिजर्व बैंक का मानना है कि प्लास्टिक नोटों के मामले में ऐसी समस्या नहीं आएगी और वे एटीएम के लिए अधिक अनुकूल साबित होंगे।

मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए ब्याज दरों में बदलाव की संभावना कम दिखाई देती है। रिजर्व बैंक संभवतः यथास्थिति बनाए रखेगा। हालांकि नोटों की कीमत नहीं, लेकिन उनका स्वरूप बदलने की दिशा में कदम जरूर आगे बढ़ता नजर आ रहा है।



प्लास्टिक नोटों की नई योजना

इसी पृष्ठभूमि में रिजर्व बैंक ने एक नया कदम उठाने का संकेत दिया है। अब कागजी नोटों के स्थान पर प्लास्टिक नोट लाने की तैयारी की जा रही है। बैंक का तर्क है कि कागज के नोट जल्दी खराब हो जाते हैं और उनकी छपाई पर अधिक खर्च आता है। इसलिए अधिक टिकाऊ विकल्प तलाशना आवश्यक है।

नकदी की पकड़ बरकरार

जब अपेक्षाकृत नए नोट इतनी जल्दी खराब होकर बदलने के लिए वापस आ रहे हैं, तो उनकी गुणवत्ता पर प्रश्न उठाना स्वाभाविक है। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि नोटों के बार-बार छपने से सरकारी खर्च लगातार बढ़ रहा है। सभी डिजिटल क्रांति के दावों के बावजूद नकदी का महत्व कम नहीं हुआ है। देश में नकदी का प्रचलन हर वर्ष लगभग 11.5 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है। 15 मई 2026 तक प्रचलन में मौजूद नोटों का कुल मूल्य 42.86 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है।

सिक्कों का प्रयोग भी सीमित

रिजर्व बैंक ने नोटों के स्थान पर सिक्कों को लोकप्रिय बनाने की भी कोशिश की। 20 रुपए तक के सिक्के जारी किए गए। पिछले वर्ष लगभग 150 करोड़ सिक्के बाजार में उतारे गए, जिनमें 80 करोड़ पांच रुपए और 40 करोड़ बीस रुपए के सिक्के थे। इसके बावजूद अपेक्षित परिणाम नहीं मिले।

योगायोग या रणनीति?

कुछ लोगों का आरोप है कि देश के एक बड़े उद्योग समूह ने हाल ही में प्लास्टिक नोटों में इस्तेमाल होने वाले रसायनों के क्षेत्र में प्रवेश किया है। इसलिए इस निर्णय को लेकर सवाल भी उठ रहे हैं। हालांकि यह भी संभव है कि रिजर्व बैंक की जरूरत और उद्योग जगत की व्यावसायिक संभावनाएं दोनों एक साथ मौजूद हों। पिछले एक दशक में देश ने ऐसे कई संयोग देखे हैं, इसलिए इस चर्चा को पूरी तरह नजरअंदाज भी नहीं किया जा सकता।

नोटबंदी से पहले और आज

यह आंकड़ा तब और अधिक चौंकता है जब इसकी तुलना 2016 से की जाए। नोटबंदी की घोषणा के समय देश में कुल नकदी का मूल्य लगभग 17.97 लाख करोड़ रुपए था। आज यह बढ़कर लगभग 43 लाख करोड़ रुपए हो चुका है। यानी दस वर्षों में नकदी का आकार लगभग द्वाई गुना हो गया है।

प्लास्टिक नोटों के फायदे

दुनिया के कई विकसित देशों जैसे ब्रिटेन, सिंगापुर और ऑस्ट्रेलिया में प्लास्टिक नोट पहले से उपयोग में हैं। ये नोट जल्दी खराब नहीं होते और बारिश या नमी से प्रभावित भी नहीं होते। भारतीय परिस्थितियों में यह एक बड़ा लाभ माना जा सकता है।



ममता बनर्जी को बड़ा झटका

ऋतब्रत बनर्जी बने नेता विपक्ष, विधानसभा स्पीकर ने दी मंजूरी

हिंदमाता नेटवर्क @ कोलकाता

पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की मुखिया ममता बनर्जी के बड़ा झटका लगा है। विधानसभा स्पीकर ने बागी विधायक ऋतब्रत बनर्जी को नेता विपक्ष बनाया है। ऋतब्रत बनर्जी ने दावा किया है कि उनको 60 विधायकों का समर्थन हासिल है। टीएमसी से निकाले गए नेता संदीपन साहा ने कहा कि हमने अभी-अभी चिट्ठी साँपी है। नेता प्रतिपक्ष (LoP) के लिए तय कमरा आधिकारिक तौर पर अलॉट कर दिया गया है। नेता प्रतिपक्ष अभी वहीं बैठे हैं।



शिक्षक भर्ती घोटाला

अभिषेक बनर्जी को ईडी का समन

15 जून को पूछताछ के लिए बुलाया

हिंदमाता नेटवर्क @ कोलकाता

पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक बार फिर हलचल तेज हो गई है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की एक टीम कोलकाता में अभिषेक बनर्जी के घर पहुंची। ईडी के अधिकारियों ने उन्हें प्राइमरी टीचर भर्ती घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में समन दिया है।

अभिषेक बनर्जी को 15 जून को पूछताछ के लिए बुलाया गया

अधिकारियों ने बताया कि अभिषेक बनर्जी को 15 जून को जांच में शामिल होने के लिए बुलाया गया है। इस दिन उन्हें जांच एजेंसी के सामने पेश होकर सवालों के जवाब देने होंगे। यह पूरा मामला प्राथमिक शिक्षकों की भर्ती में हुई कथित गड़बड़ियों और अवैध लेनदेन से जुड़ा है।

ममता बनर्जी हमारी सलाहकार बनी रहें: संदीपन साहा

संदीपन साहा ने कहा कि हमारी इच्छा है कि ममता बनर्जी हमारी सलाहकार बनी रहें और हमें अपनी सलाह देती रहें, ताकि हम, नेता प्रतिपक्ष और मुख्य सचेतक के साथ मिलकर, विधानसभा के अंदर पार्टी को प्रभावी ढंग से चला सकें। उन्होंने कहा कि पार्टी की जो बुरी हालत आज हो गई है, कुछ हद तक, वह अभिषेक बनर्जी की नाकामी है। आखिर, अगर जब सब कुछ अच्छा होता है तो आप उसका श्रेय लेते हैं, तो जब चीजें गलत होती हैं तो आपको उसकी जिम्मेदारी भी लेनी चाहिए।

भाजपा के खिलाफ हमारा राजनीतिक संघर्ष जारी रहेगा: प्रसून बनर्जी

वहीं टीएमसी नेता प्रसून बनर्जी ने कहा कि भाजपा के खिलाफ हमारा राजनीतिक संघर्ष बिना रुके जारी रहेगा। हमारी वैचारिक लड़ाई चलती रहेगी। इसके अलावा, जहां भी आवश्यक होगा, एक जिम्मेदार विपक्ष के रूप में सरकार के साथ हमारा सहयोग भी जारी रहेगा। आज आप जो देख रहे हैं वह कोई असाधारण बात नहीं है। यह केवल इस बात का प्रतीक है कि अधिकांश विधायकों ने सामूहिक रूप से वार नेताओं का चुनाव किया है जो विधानसभा में हमारा प्रतिनिधित्व करेंगे और हमारा नेतृत्व करेंगे। उन्होंने कहा कि संसदीय लोकतंत्र में, सत्ताधारी सरकार और विपक्ष दोनों का सदन में उपस्थित होना, संवाद करना और रचनात्मक बहसों में भाग लेना आवश्यक है। इसलिए, विधानसभा के सभी विधायकों ने सामूहिक रूप से यह कदम उठाने का निर्णय लिया।

ईडी की कार्रवाई से राजनीतिक सरगर्मी तेज

ईडी की इस कार्रवाई के साथ ही राज्य के राजनीतिक गलियारों में चचाए तेज हो गई हैं। गौरतलब है कि, अभिषेक बनर्जी पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता

बनर्जी के भतीजे हैं और लंबे समय से केंद्रीय जांच एजेंसियों के खतर पर हैं। इस नई कार्रवाई ने बंगाल की सियासत में एक नई बहस छेड़ दी है। फिलहाल

इस मामले में बहुत विस्तार से जानकारी सामने नहीं आई है। लेकिन समन मिलने के बाद अब सबकी नजरें इस बात पर टिकी हैं कि अभिषेक बनर्जी का अगला

कदम क्या होगा। टीएमसी नेतृत्व और खुद अभिषेक बनर्जी इस नए नोटिस पर क्या रुख अपनाते हैं, यह देखना काफी अहम होगा।

मिडिल क्लास के लिए सम्राट कैबिनेट का बड़ा फैसला

अब 4 लाख तक आय वालों को भी मुफ्त इलाज



हिंदमाता नेटवर्क @ पटना

बिहार की सम्राट कैबिनेट ने मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए बड़ा फैसला लिया है। राज्य में अब सालाना 4 लाख रुपये तक की आय वाले परिवारों को मुफ्त इलाज की सुविधा मिलेगी। पहले यह सीमा ढाई लाख ही थी। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई राज्य कैबिनेट में इसे बढ़ाकर 4 लाख किए जाने पर मुहर लगाई गई। आय सीमा बढ़ने से इसका सीधा लाभ बिहार के लाखों मध्यमवर्गीय परिवारों को सोधे तौर पर मिलेगा। सरकार ने राज्य के मध्यम और निम्न आय वर्ग के मरीजों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ देने के लिए यह महत्वपूर्ण नीतिगत फैसला लिया। सरकार ने मुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता कोष से इलाज के लिए मिलने वाले अनुदान की यातायात शर्तों में बड़ा बदलाव किया है। सरकार ने इस योजना के तहत लाभ प्राप्त करने के लिए पूर्व से निर्धारित वार्षिक आय सीमा को 2.50 लाख रुपये से बढ़ाकर सीधे 4 लाख रुपये कर दिया है।

अवैध मदरसों पर चलाया बुलडोजर, 1 करोड़ रुपए जुर्माना... 3 लोगों पर मामला दर्ज

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

गाजियाबाद जिले में बिना इजाजत संचालित किए जाने के आरोप में दो मदरसों को सील करने के बाद इस मामले में तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। यह जानकारी अधिकारियों ने बुधवार को दी। पुलिस सूत्रों ने बुधवार को बताया कि गाजियाबाद के खोड़ा इलाके में स्थित ये मदरसे कथित तौर पर अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की मंजूरी और वैध पंजीकरण के बिना चलाए जा रहे थे। यह कार्रवाई खोड़ा के ही रहने वाले 17 वर्षीय सूर्या चौहान की गत 28 में को हुई हत्या के मामले के बाद की गई है। मामले का आरोपी असद 30/31 मई की दरमियानी रात को पुलिस के साथ मुठभेड़ में मारा गया था।



■ पुलिस उपायुक्त (ट्रांस हिंडन) धवल जायसवाल ने बताया कि खोड़ा थानाक्षेत्र में अवैध संपत्तियों का सत्यापन कार्य चल रहा था, जिसके बाद मौलवात को दो मदरसों को सील कर दिया गया। उन्होंने कहा कि इस मामले में तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोप है कि ये मदरसे अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की अनुमति और वैध पंजीकरण के बिना चलाए जा रहे थे। पुलिस सूत्रों ने बताया कि भारतीय न्याय संहिता और बिजली अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामले दर्ज किए गए हैं और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। उन्होंने बताया कि मामला जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी के कार्यालय द्वारा दी गई एक लिखित शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया है।

1 करोड़ रुपए जुर्माना

प्रशासन ने खोड़ा इलाके में स्थित अवैध मदरसे को लेकर संचालक फारुक पर 1 करोड़ 23 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। इसके साथ ही उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। लेखपाल अनुपम मिश्रा की शिकायत पर मसूरी थाने में मामला दर्ज किया गया है।

■ सूत्रों ने बताया कि शिकायत में आरोप लगाया गया था कि खोड़ा गांव के पोंपुलर विहार इलाके में स्थित मदरसा रमनिया अरनिया कारिमूल उलूम को मौलवी इमाम मोहम्मद दानिश और मौलवी साजिद बिना मान्यता के संचालित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि शिकायत में कहा गया था कि यह मदरसा न तो अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के साथ पंजीकृत था और न ही इसे संचालित करने के लिए कोई मंजूरी प्राप्त थी। सूत्रों के मुताबिक शिकायत में यह आरोप भी लगाया गया था कि प्रबंधन मदरसा चलाने वाली सोसाइटी का वैध पंजीकरण प्रमाण पत्र पेश करने में विफल रहा और उसने अनिश्चितकालीन तथ्या विद्युत सुरक्षा विभाग से 'अनापत्ति प्रमाण पत्र' भी प्राप्त नहीं किया था।

जुबिन गर्ग हत्या मामले की सुनवाई शुरू – 8 जून से फास्ट-ट्रैक अदालत में गवाहों के बयान होंगे दर्ज

पंकज नाथ @ असम

लोकप्रिय कलाकार असम के सपूत जुबिन गर्ग की संधिध मृत्यु से जुड़ा मामला एक नए चरण में प्रवेश कर चुका है। 8 जून से विशेष फास्ट-ट्रैक अदालत में इस प्रकरण की औपचारिक सुनवाई प्रारम्भ होगी। न्यायाधीश शर्मिला धुव्या की निगरानी में चलने वाली इस सुनवाई के पहले चरण में प्राथमिकी (FIR) दर्ज करने वाले और मामले के महत्वपूर्ण गवाहों के बयान दर्ज किए जाएंगे।अदालत ने पहले दिन की सुनवाई के लिए चार मुख्य व्यक्तियों को हाजिर होने के निर्देशित नोटिस भेजे हैं। प्रथम दिन उपस्थित होने वाले प्रमुख गवाहों में शामिल हैं: हेमंत कुमार दास – मोरगांव जिले के पुलिस अधीक्षक, रातुल बोरा – मोरगांव के निवासी और इस पूरे प्रकरण के प्रथम प्राथमिकी दाता, प्रणव सैकिया – उस समय मोरगांव थाने के कार्यवाहक अधिकारी, भास्कर बर्मन – प्रकरण के एक महत्वपूर्ण साक्षी। रातुल बोरा ने शुरूआती FIR में आरोप लगाया था कि जुबिन गर्ग की बेहतर उपचार के लिए सिंगपुर के चिकित्सकों द्वारा दी गई सावधानियों (जैसे आग और पानी से दूर रखना) की आरोपी पक्ष ने अहेल्लता की।

■ रातुल ने पुलिस के समक्ष हत्या की आशंका व्यक्त कर ही मामले की प्राथमिकी दर्ज कराई थी, जिसके आधार पर राज्य जांच एजेंसी CID को तैनात कर विस्तृत जांच करवाई गई। CID की जांच और सामाजिक प्रतिक्रिया के बाद पूरे असम में यह मामला गर्मा गया; विभिन्न थानों में इस प्रकरण के संबंध में करीब 85 से अधिक FIR दर्ज की गई थीं। सरकारी पक्ष के लोक अभियोजक जिया उल कामर ने बताया कि मामले में नामजद 7 आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धाराएं 36, 37 और 38 के तहत अभियोजन संचालित किया जाएगा। अदालत ने यह लक्ष्य भी रखा है कि 20 जून तक प्राथमिकी कर्ताओं (FIR दाताओं) के बयान दर्ज करने की प्रारंभिक प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। लंबी सुनवाई व साक्ष्य-प्रस्तुति को देखते हुए कुल मिलाकर 161 गवाहों को क्रमशः अदालत में तलब करने का निर्देश दिया गया है, ताकि मामले की गहन और न्यायोचित तहकीकात सुनिश्चित की जा सके। यह सुनवाई पूरे प्रकरण की दिशा तय कर सकती है और अगले चरणों में उच्चकी रिपोर्ट, चिकित्सकीय साक्ष्य व गवाहियों का निर्णायक योगदान रहने की संभावना है। संबंधित पक्षों और आम जनता ने न्यायिक प्रक्रिया पर कड़ी नजर बनाए रखी है।



हिंदमाता एंकर:

निर्यात में भारत का रुतबा लगातार बढ़ता जा रहा है। साल 2026 में भारत का डिफेंस एक्सपोर्ट बढ़कर 38,424 करोड़ रुपए तक पहुंच चुका है...

भारत की ब्रह्मोस मिसाइल का एशियाई देशों में क्रेज, चीन का उड़ा चैन, टेंशन में ड्रैगन

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

अचानक से एशियाई देशों में ब्रह्मोस मिसाइल का क्रेज पैदा हो गया है। इन देशों में चीन के पड़ोसियों का भी नाम शामिल है। असल में यह देश चीन की काट के तौर पर ब्रह्मोस को अपने बेड़े में शामिल करना चाहते हैं। यह पूरी कहानी का एक हिस्सा भर है। असली कहानी यह है कि रक्षा निर्यात में भारत का रुतबा लगातार बढ़ता जा रहा है। साल 2026 में भारत का डिफेंस एक्सपोर्ट बढ़कर 38,424 करोड़ रुपए तक पहुंच चुका है। यह अभी तक का सबसे सर्वोच्च स्तर है। पिछली बार से अब इसमें 62.66 फीसदी की उछाल आई है। भारत के डिफेंस एक्सपोर्ट में सबसे ज्यादा मांग ब्रह्मोस मिसाइल सिस्टम की है। हाल के दिनों में भारत ने विएतनाम और इंडोनेशिया के साथ इसके निर्यात को लेकर समझौता किया है। वहीं, फिलिपीनो को वह पहले ही ब्रह्मोस बेच चुका है। इसके अलावा दक्षिणपूर्वी एशियाई देशों समेत कुछ अन्य देशों ने भी ब्रह्मोस में रुचि दिखाई है।



चीन की क्यों बढ़ी चिंता

ब्रह्मोस मिसाइल में कई तकनीकी खूबियां तो हैं ही। साथ एक और फेक्टर है कि इसकी वजह से दक्षिण पश्चिम एशियाई देश ब्रह्मोस के लिए कतार में लगे हुए हैं। यह वजह है चीन। विशेषज्ञों के मुताबिक फिलिपीन्स, विएतनाम और इंडोनेशिया के पास बड़े पैमाने पर नैवी बजट नहीं है। लेकिन चीन से बढ़ते नैवी खतरे को रोकने के लिए उन्हें कुछ चाहिए। ऐसे में ब्रह्मोस को तैनात करके यह देश अपने लिए सुरक्षा बढ़ा सकते हैं। वहीं, रियटायर्ड मेजर गोवर आर्या का कहना है कि भारत से मिसाइल खरीदने वाले वही देश हैं, जिनका जिनका चीन के साथ क्षेत्रीय विवाद है। एक अन्य रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत का ब्रह्मोस निर्यात चीन के लिए चिंता का विषय है। कुछ अन्य चीनी विश्लेषकों ने ब्रह्मोस की क्षमताओं और पहुंच के चलते इसे अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताया है।

क्या है ब्रह्मोस मिसाइल

ब्रह्मोस एक सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है। इसे ब्रह्मोस एयरोस्पेस द्वारा तैयार किया जाता है। यह भारत के टीआरडीओ और रूस के एनपीओ मशीनोद्गोयेनिया द्वारा बनाया जाता है। ब्रह्मोस दो स्ट्रेज मिसाइल है, जिसमें प्रोपेलेंट बुरदर ड्रॉज लगा हुआ है। पहले स्ट्रेज में मिसाइल सुपरसोनिक स्पीड की गति तक पहुंचती है। इसके बाद यह अलग हो जाती है। इसके बाद लिक्विड रमजेट, या दूसरा चरण, क्रूज स्ट्रेज के दौरान मिसाइल को ध्वनि की तीन गुना रफ़्तार के करीब ले जाता है। ब्रह्मोस को सबमरीन, शिप, एयरक्राफ्ट या जमीन, कहीं से भी लांच किया जा सकता है। इसकी रेंज 300 किलोमीटर है और यह 200 से 300 किलोग्राम तक का वजन लेकर जा सकती है।

जानिए इसकी खासियतें

इस मिसाइल की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह आसानी से राडार की पकड़ में नहीं आती है। साथ ही यह अपने सटीक निशाने के लिए भी जानी जाती है। साल 2001 में ब्रह्मोस का पहली बार टेस्ट हुआ था। इसके बाद से इसके कई वैरियंट डेवलप किए जा चुके हैं। ब्रह्मोस की नई पीढ़ी की मिसाइल का अनुमानित वजन 1290 किलो है, जबकि इससे पहले वाली ब्रह्मोस 2900 किलो की थी। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान ब्रह्मोस मिसाइल ने पाकिस्तान के गुर खान और रहीमयार खान बेस पर खूब तबाही मचाई थी।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान छाया ब्रह्मोस

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान ब्रह्मोस की क्षमता ने दुनिया भर के देशों का ध्यान अपनी तरफ खींचा। इससे पहले ही कुछ देशों ने इसका लेकर इंटरेस्ट दिखाया था। ब्रह्मोस का पहला विदेशी ग्राहक देश फिलीपींस था। यह डील करीब 375 मिलियन डॉलर में हुई थी। भारत ने विएतनाम के साथ डील की। शांती-ला वार्ता के दौरान रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने कहा कि विएतनाम के साथ डील हो चुकी है। हालांकि अभी सार्जनिक रूप से इसकी घोषणा नहीं की गई है। जानकारी के मुताबिक विएतनाम के साथ यह डील 5800 करोड़ रुपए में हुई है।



न्यूयॉर्क सीनेट में 15 अगस्त को लेकर ऐतिहासिक प्रस्ताव पारित

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

न्यूयॉर्क की सीनेट ने राज्य की गवर्नर कैथो होचुल से 15 अगस्त 2026 को राज्य में 'चार स्वतंत्रता दिवस' घोषित करने का आग्रह करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया है, जिसमें सांसदों ने महात्मा गांधी की विरासत को याद किया और अमेरिका में भारतीय-अमेरिकी समुदाय के योगदान की सराहना की। सीनेटर जेरेमी कूनी द्वारा प्रायोजित इस प्रस्ताव में कहा गया है कि न्यूयॉर्क राज्य की विधायिका की परंपरा रही है कि वह उन महत्वपूर्ण दिनों को मान्यता देती है, जो राज्य के नागरिकों की सांस्कृतिक विरासत से जुड़े होते हैं। प्रस्ताव में कहा गया कि भारत को स्वतंत्रता दुनिया भर के लोगों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह नागरिक, राजनीतिक और आर्थिक अधिकारों के साथ-साथ आत्मनिर्णय के लिए चले 90 वर्षों के संघर्ष के अंत का प्रतीक है।

■ प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान कई राज्य सीनेटरों ने भारत की प्राचीन सभ्यता, लोकतांत्रिक परंपराओं, महात्मा गांधी के शांति संदेश और न्यूयॉर्क सहित पूरे अमेरिका में भारतीय-अमेरिकी समुदाय के बढ़ते योगदान की प्रशंसा की। कूनी ने कहा कि दुनिया भर में भारतीय अपने-अपने समुदायों पर स्थायी प्रभाव छोड़ रहे हैं और यह अवसर साझा इतिहास, संस्कृति और विरासत का जश्न मनाने तथा उस पर विचार करने का है। सीनेटर जॉन लियो ने कहा कि भारत का अस्तित्व हजारों वर्षों से है। उन्होंने कहा कि भारत एक सभ्यता रहा है, एक राष्ट्र रहा है और वास्तव में हमारा देश से भी लंबे समय से लोकतंत्र का एक आदर्श मॉडल रहा है।

■ सीनेटर टोबी ऐन स्टाविरस्की ने दोनों देशों के बीच मित्रता की परंपरा को आगे बढ़ाने का आह्वान करते हुए कहा कि दोनों देशों में समानताएं, मतभेदों से कहीं अधिक हैं। न्यूयॉर्क स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने सीनेट के इस कदम का स्वागत करते हुए कहा कि यह भारत और अमेरिका के बीच मित्रता, लोकतंत्र और साझा सल्लों के मजबूत संबंधों को दर्शाता है। दूतावास ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि भारत की विरासत से लेकर न्यूयॉर्क के दिल तक - लोकतंत्र और समुदाय के रिश्तों का उत्सव। भारतीय दूतावास ने प्रस्ताव आधिकारिक रूप से पेश करने के लिए जेरेमी कूनी का धन्यवाद किया और भारत की समृद्ध विरासत तथा न्यूयॉर्क में भारतीय-अमेरिकी समुदाय के अमूल्य योगदान को सम्मान देने के लिए सभी विधायकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

गुजरात में ऑपरेशन डेल्टा

गांधीनगर से 362 अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान



हिंदमाता नेटवर्क @ गांधीनगर

गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष संचवी ने बताया कि मंगलवार रात्रि गुजरात के अहमदाबाद, राजकोट, सूरत, वडोदरा व मोरबी में अवैध रूप से बसे बांग्लादेशियों की पहचान के लिए ऑपरेशन डेल्टा चलाया गया। पुलिस ने अब तक 362 बांग्लादेशियों की पहचान की है, इनको यहाँ बसाने व मदद करने वालों के खिलाफ भी सख्त कानूनी कार्यवाही होगी। संचवी ने बताया कि घुसपैठियों को कोई राजनीतिक कनेक्शन सामने नहीं आया है।

गुजरात में बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान

उपमुख्यमंत्री संचवी ने गांधीनगर सर्किट संकुल-1 में पत्रकारों को बताया कि पुलिस महानिदेशक डॉ. लक्ष्मी नारायण राव की अगुआई में राज्य पुलिस ने गुजरात के अहमदाबाद, राजकोट, सूरत, वडोदरा व मोरबी में अलग अलग टीमें बनाकर अवैध रूप से बसे 700 सन्दिघ की पकड़, जिनमें से 362 बांग्लादेशी निकले। गुजरात में गत वर्ष चंडोला तालाब में बसे बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ की गई कार्यवाही के बाद यह सबसे बड़ा ऑपरेशन रहा। इस दौरान जिला, हाइवे व रेलवे व बस अड्डों की नाकाबंदी की गई ताकि घुसपैठिये भाग नहीं सके। बड़े शहरों में अवैध रूप से बसे महिला, पुरुष, बच्चों व युवाओं की पुलिस ने एक स्थल पर अधिकारों के संयुक्त पुलिस आयुक्त शरद सिंघल ने बताया कि अहमदाबाद में चंडोला तालाब से गत वर्ष करीब 465 घुसपैठियों को डिपेंटे किया गया था, बीती रात यहां से करीब 300 महिला पुरुषों को पुर्खुल्टि के लिए लाया गया था जिनमें से 166 के बांग्लोदेशी होने की पुष्टि हुई है। सूरत के पुलिस आयुक्त अनुपम सिंह गहलोत ने बताया कि पुलिस ने ऑपरेशन डेल्टा के तहत 240 सन्दिघ की धरपकड़ की उनके दस्तावेजों की जांच की, इनमें से 85 बांग्लादेशी पाए गए।

घुसपैठियों पर होगी कार्रवाई

संचवी ने बताया कि पश्चिम बंगाल से अवैध घुसपैठियों को निकाला जा रहा है, अब गुजरात में भी कोने-कोने से इनकी पहचान कर देश से बाहर किया जाएगा। उन्होंने बताया कि घुसपैठियों को यहां बसाने व मदद करने वालों के खिलाफ भी कानूनी कार्यवाही होगी। संचवी ने स्पष्ट किया कि अवैध घुसपैठियों का अभी तक कोई राजनीतिक कनेक्शन सामने नहीं आया है। अपराध शाखा के संयुक्त पुलिस आयुक्त शरद सिंघल ने बताया कि अहमदाबाद में चंडोला तालाब से गत वर्ष करीब 465 घुसपैठियों को डिपेंटे किया गया था, बीती रात यहां से करीब 300 महिला पुरुषों को पुर्खुल्टि के लिए लाया गया था जिनमें से 166 के बांग्लोदेशी होने की पुष्टि हुई है। सूरत के पुलिस आयुक्त अनुपम सिंह गहलोत ने बताया कि पुलिस ने ऑपरेशन डेल्टा के तहत 240 सन्दिघ की धरपकड़ की उनके दस्तावेजों की जांच की, इनमें से 85 बांग्लादेशी पाए गए।

15 जून से हर घर दस्तक देंगे बीएलओ

हिंदमाता नेटवर्क @ बहादुरगढ़

हरियाणा में वोटर लिस्ट की स्पेशल इटैन्सिव रिविजन यानि रक्कूफ्री प्रक्रिया शुरू हो गई है। फिलहाल एसआईआर की तैयारियों के मद्देनजर ट्रेनिंग और दूसरी तैयारियां जोरों पर है। बहादुरगढ़ के एसडीएम अभिनव सिवाच ने पत्रकारों से बात करते हुए बताया कि 15 जून से 14 जुलाई तक बीएलओ हर घर पर जाकर दस्तक देंगे। इस दौरान लोगों से भी ये अपील की गई है वो बीएलओ को वोटर लिस्ट को लेकर पूरा सहयोग भी करें। घर घर जाकर बीएलओ 2002 की वोटर सूची के तहत मैपिंग का काम करेंगे। उसके बाद अनमैप्ड वोटरों को नोटिस देकर वोटर लिस्ट के लिए उनके दावे और आपत्तियां भी मांगी जाएगी। चुनाव आयोग ने पासपोर्ट, दसवीं की मार्कशीट, आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस समेत 12 दस्तावेजों की सूची जारी की है जिनके आधार पर कोई वोटर अपना दावा और आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। एसडीएम ने बताया कि 21 जुलाई को ड्राफ्ट मतदाता सूची प्रकाशित होगी। सभी दावे और आपत्तियों के निपटान के बाद 22 सितंबर को फाइनल मतदाता सूची जारी कर दी जाएगी।

■ सीसीटीवी फुटेज में कुछ लोग ईट-पत्थर फेंकते और हॉलिंग को गिराते दिखाई दे रहे हैं। रंजन ने बताया कि मामले में प्रतिद्वंद्वी कोविंग संस्थान के निदेशक रोशन आनंद सहित चार नामजद लोगों और 15-20 अज्ञात लोगों को आरोपी बनाया गया है। उन्होंने बताया कि नामजद आरोपियों में से रोशन आनंद, अभिषेक और गौरव को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि अन्य आरोपियों को पकड़ने के प्रयास जारी है। पुलिस के मुताबिक 'खान ग्लोबल कोविंग इंस्टीट्यूट' के प्रबंधक कन्हैया कुमार सिंह की लिखित शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनसी) की विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। गिरफ्तार आरोपी रोशन आनंद ने संवाददाताओं से कहा कि उन्हें और उनके कोविंग संस्थान को बदनाम करने की कोशिश की जा रही है।

80 लोग थाने पहुंचे, ली कभी क्राइम नहीं करने की शपथ..

गाजियाबाद में ऑपरेशन क्लीन स्वीप का असर

हिंदमाता नेटवर्क @ गाजियाबाद

गाजियाबाद के खोड़ा में सूर्या हत्याकांड के बाद एक्शन में आई पुलिस ने एक ऑपरेशन शुरू किया था। इस ऑपरेशन को नाम दिया गया 'ऑपरेशन क्लीन स्वीप'। खोड़ा से शुरू हुए इस ऑपरेशन का दायरा अब बढ़ गया है। खोड़ा को अपराध मुक्त बनाने के लिए शुरू किए गए इस ऑपरेशन का दायरा अधिकारियों ने अब पूरे गाजियाबाद तक बढ़ा दिया है। अब इस ऑपरेशन का दूसरा फेज अब जिले के क्राइम प्रोन इलाके लोनी से शुरू हो गया है। इस ऑपरेशन का असर कुछ ही घंटों में नजर भी आने लगा और कभी अपराध में संलग्नता के आरोपी रहे करीब 80 लोग खुद ही साहिबाबाद थाने पहुंच गए। इन लोगों ने भविष्य में कभी अपराध नहीं करने की शपथ ली। अब बात करते हैं ग्राउंड जीरो यानी खोड़ा की। यहां हत्या के एक हफ्ते बाद भी तेज सायरन की आवाज हर वक्त सुनाई दे रही है। हालांकि, जरूरी नहीं कि ये आवाज किसी इमरजेंसी व्हीकल या अधिकारी-मंत्री की गाड़ी की हो। ये किसी भी आम गाड़ी से भी आ सकती है। सूर्या के घर पूरे दिन बीजेपी और हिंदूवादी संगठनों से जुड़े लोगों का आना-जाना लगा रहा। गाड़ियों के काफिले के आने-जाने का सिलसिला सुबह से ही शुरू हो गया था। पुलिस खोड़ा के हर एंटी गेट पर तो तैनात है ही, इसके अलावा खोड़ा के हर चौराहे पर पुलिस मौजूद है। कह सकते हैं कि चप्पे-चप्पे पर पुलिस तैनात है। मंगलवार दोपहर 12 बजे के बाद अचानक से सरगमीं बढ़ गई। खोड़ा में पुलिस की संख्या कहीं ज्यादा



बढ़ा दी गई। डेढ़ बजे गाजियाबाद के पुलिस कमिश्नर जे रविन्द्र गौड़ और डीएम रविन्द्र एम भी खोड़ा पहुंच गए। इनकी टीम में अल्पसंख्यक कल्याण बोर्ड के अधिकारी भी शामिल थे। जानकारी मिल चुकी थी कि इलाके के तीन मदरसों को सील किया जाना है। अपनी टीम के साथ कमिश्नर करीब एक आधा किलोमीटर पैदल चल कर मदरसा रहमानिया अरबिया कासिम-उल उलूम पहुंचे। मदरसे को प्रशासन ने सील कर दिया। कमिश्नर की मौजूदगी में दो ताले लगाए गए, उस पर सफेद कपड़ा लगाया और फिर सील वाला मोहर लगा दिया गया। इसके बाद मुख् दरवाजे पर एक नोटिस लगाया गया। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी कैलाश चंद्र तिवारी की ओर से लगाए गए इस नोटिस पर वक्म निरीक्षक की एक जून 2026 की रिपोर्ट को इस कार्रवाई का आधार बताया गया है।

सूर्या चौहान हत्याकांड के बाद बुलडोजर एक्शन

डासना में गिराया गया मदरसा

हिंदमाता नेटवर्क @ गाजियाबाद

सूर्या चौहान हत्याकांड के बाद गाजियाबाद जिले में अवैध निर्माणों और अवैध मदरसों के खिलाफ पुलिस और प्रशासन का अभियान लगातार तेज होता जा रहा है। इसी कड़ी में बुधवार को डासना क्षेत्र में सरकारी भूमि पर बने एक मदरसे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई। भारी पुलिस बल, पीएसी और प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में मदरसे के ध्वस्तीकरण की प्रक्रिया शुरू कराई गई। पूरे अभियान की निगरानी गाजियाबाद के जिलाधिकारी रविन्द्र मांडड़ और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में की गई। इससे पहले मंगलवार को खोड़ा क्षेत्र में दो मदरसों को सील किया गया था। इसके बाद बुधवार को प्रशासन की टीम डासना क्षेत्र के कल्लूगढ़ी पहुंची, जहां सरकारी भूमि पर बने मदरसा जामिया अरबिया इशातुल इस्लाम के खिलाफ कार्रवाई शुरू की गई। प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर निर्धारित प्रक्रिया के तहत ध्वस्तीकरण अभियान चलाया। प्रशासनिक अभिलेखों के अनुसार डासना स्थित मदरसा जामिया अरबिया इशातुल इस्लाम के खिलाफ राजस्व न्यायालय में वाद संख्या टी-202311280100410 के तहत कार्रवाई की गई है। राजस्व विभाग के रिकॉर्ड में दर्ज जानकारी की अनुसार ग्राम सभा डासना की गाटा संख्या 1548ख की सरकारी भूमि पर कब्जे का मामला सामने आया था। इस संबंध में पूर्व में पारित आदेशों का अनुपालन नहीं किया गया था।



कार्रवाई के दौरान पूरे इलाके को सुरक्षा घेरे में लिया गया

राजस्व न्यायालय द्वारा जारी आदेश में संबंधित भूमि से बेदखली कर कब्जा ग्राम सभा को दिलाने के निर्देश दिए गए थे। साथ ही लगभग 1 करोड़ 23 लाख रुपये की क्षतिपूर्ति राशि की वसूली के भी आदेश जारी किए गए। इन्हीं आदेशों के अनुपालन में प्रशासनिक टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई शुरू की। ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरती गई। किसी भी अग्रिय स्थिति से निपटने के लिए बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों और पीएससी जवानों को तैनात किया गया था। प्रशासनिक अधिकारियों ने पूरे क्षेत्र की निगरानी की और कार्रवाई को शांतिपूर्ण ढंग से पूरा करने के लिए आवश्यक इंतजाम किए। कार्रवाई के दौरान राजस्व विभाग और पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर मौजूद रहे। अधिकारियों ने सुनिश्चित किया कि न्यायालय और राजस्व विभाग के आदेशों का पूरी तरह पालन हो।

हार्ड अलर्ट के बीच बुलडोजर से हटाया गया अवैध निर्माण

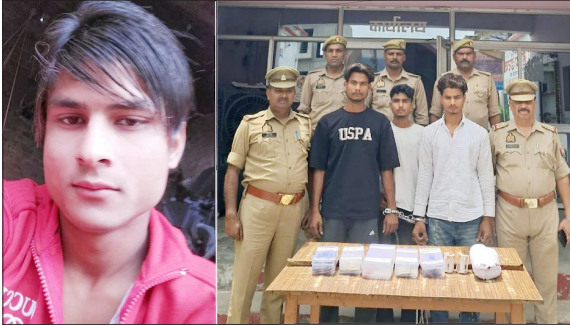
डासना में हुई इस कार्रवाई के बाद अर्द जिले के अन्य क्षेत्रों पर भी प्रशासन की नजर है। अधिकारियों का कहना है कि जिन स्थानों पर अवैध कब्जे या अवैध निर्माण से जुड़े मामले सामने आएंगे और जहां वैधानिक आदेश उपलब्ध होंगे, वहां भी आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल डासना में चलाया गया यह अभियान गाजियाबाद में अवैध निर्माणों के खिलाफ प्रशासन की सबसे प्रमुख कार्रवाइयों में से एक माना जा रहा है।

समलैंगिक संबंध का प्राइवेट वीडियो और धमकी

3 दोस्तों ने मिलकर चौथे को दी दर्दनाक मौत

हिंदमाता नेटवर्क @ रामपुर

उत्तर प्रदेश के जनपद रामपुर के थाना सैफनी पुलिस ने एक सनसनीखेज हत्या का खुलासा कर दिया है। बीती 26 मई थाना सैफनी पुलिस को एक सूचना प्राप्त हुई थी जिसमें एक युवक का शव बरामद हुआ था जिसकी गर्दन पर धारदार हथियार के निशान मिले थे। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई की और घटना की जांच में जुट गई। आज घटना का सफल अनावरण करते हुए पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी। सर्विलांस, एसओजी और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी मृतक के परिचित थे और राजस्थान में उसके साथ काम करते थे। पूछताछ में सामने आया कि समलैंगिक संबंधों से जुड़ा एक वीडियो विवाद और हत्या की असली वजह बना। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से मृतक का टूटा मोबाइल फोन, चैन, अंगूठी और नकदी भी बरामद की है। पुलिस पूरे मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है। अपर पुलिस अधीक्षक रामपुर अनुराग सिंह ने बताया, थाना सैफनी अंतर्गत दिनांक 26 तारीख को एक सूचना प्राप्त हुई थी जिसमें एक युवक का शव बरामद किया गया था जिसकी गर्दन पर धारदार हथियार से चोट लगे हुए निशान थे शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया गया तथा मृतक के पिता के द्वारा तहरीर प्राप्त हुई। इसी घटना के अनावरण में हमारी तीन टीमें लगी हुई थी। सर्विलांस के अलावा, एसओजी और लोकल थाने की पुलिस भी काम कर रही थी। इस घटना का अनावरण करते हुए सफलता प्राप्त हुई। पुलिस ने तीन अभियुक्त को गिरफ्तारी की है जो घटना में शामिल थे वह तीनों ही उसके जानने वाले थे एक का नाम मोहसिन, दूसरे का नाम दानिश और तीसरे का कासिम



था। यह तीनों भी आपस में मित्र थे और राजस्थान में जाकर एक साथ वेंलडिंग का काम करते थे। इनके द्वारा ही यह घटना कारित की गई थी इनके पास से मृतक का टूटा हुआ मोबाइल फोन, उसकी चैन और अंगूठी और कुछ रुपए बरामद हुए हैं। यह पूछे जाने पर की क्या कारण निकल कर आया है मृत्यु का? इस पर अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया, इसमें प्रथम दृष्टिया जो कारण यह है कि मृतक और इन युवकों में से एक के समलैंगिक संबंध थे। मृतक ने ऐसी संबंध की वीडियो बना ली थी जिसको वह बार-बार उस पार्टनर के घर वालों को दिखाने की धमकी देता था। उसी की वजह से यह घटना कारित हुई है।

हिंदमाता एंकर: अभिषेक मिश्रा यह कहकर युवतियों को भ्रमित करता था कि उनका गंधर्व विवाह हो चुका है, इसी आधार पर वह शारीरिक संबंध बनाता था

रुड़की से आईआईटी, मैकेनिकल में इंजीनियरिंग और ऑनलाइन प्रवचन, लड़कियों को ऐसे फंसाता था बाबा बना अभिषेक मिश्रा

हिंदमाता संवाददाता @ लखनऊ

आईआईटी रुड़की से पढ़ाई पूरी करने के बाद अभिषेक मिश्रा ने नौकरी नहीं, बल्कि प्रवचन का रास्ता चुना। कुछ ही वर्षों में वह ऑनलाइन माध्यम से युवाओं के बीच पहचान बनाने लगा। लेकिन मथुरा के गोवर्धन से हुई उसकी गिरफ्तारी के बाद वही पहचान जांच के घेरे में है। पुलिस का आरोप है कि आध्यात्मिक मार्गदर्शन के नाम पर उसने युवतियों का विश्वास जीता और फिर उन्हें अपने प्रभाव में लिया। अब हर दिन सामने आ रहे नए तथ्य इस मामले को और गंभीर बनाते जा रहे हैं। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार किया गया अभिषेक मिश्रा मूल रूप से आडिशा का रहने वाला है। उसने वर्ष 2017 से 2021 के बीच आईआईटी रुड़की से मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की। बताया जा रहा है कि उसने सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए भगवद्गीता तथा आध्यात्मिक विषयों पर प्रवचन शुरू कर दिए। धीरे-धीरे उसकी पहचान एक ऐसे युवा प्रवचनकर्ता के रूप में बनने लगी जो आधुनिक शिक्षा और धार्मिक ज्ञान का मिश्रण पेश करता था। यहीं से उसकी पहुंच देश के अलग-अलग राज्यों तक बननी शुरू हुई।

पहला कदम

ऑनलाइन प्रवचन

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपी का सबसे बड़ा हथियार उसका ऑनलाइन नेटवर्क था। वह इंटरनेट के माध्यम से युवाओं से जुड़ता था। धार्मिक चर्चा, आत्मिक शांति, जीवन के उद्देश्य और आध्यात्मिक उन्नति जैसे विषयों पर बातचीत कर वह लोगों का विश्वास जीतता था। जांच में यह भी सामने आया है कि उसके संपर्क में आने वाली कई युवतियां इंजीनियरिंग और तकनीकी शिक्षा से जुड़ी थीं। कुछ बॉटेक और एमटेक कर चुकी थीं तो कुछ उच्च शिक्षित परिवारों से थीं। पुलिस का मानना है कि आरोपी विशेष रूप से ऐसे लोगों को निशाना बनाता था जो जीवन में किसी भावनात्मक, मानसिक या आध्यात्मिक उलझन से गुजर रहे हों। पहले विश्वास कायम किया जाता था और फिर धीरे-धीरे उन्हें परिवार से दूर रहने तथा समूह के साथ जुड़ने के लिए प्रेरित किया जाता था।



गंगा किनारे बसे शहरों की बदलेगी तस्वीर

यूपी में स्वच्छ भारत मिशन की दौड़ी लहर, रोजगार के खुलेंगे नए द्वार

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

राज्य सरकार, गंगा नदी के किनारे बसे शहरों की सफाई सुनिश्चित करने के साथ-साथ उन्हें पर्यटन और तीर्थयात्रा के नजरिए से विकसित करके, उत्तर प्रदेश में रोजगार के नए अवसर खोलने के लिए तैयार है। इन शहरों में गंगा को साफ करने के लिए, गंदे पानी को साफ और शुद्ध करने हेतु सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट बनाए जाएंगे। इस साफ किए गए पानी का इस्तेमाल बाद में पार्कों और सिंचाई के कामों के लिए किया जाएगा। इस संबंध में, शहरी विकास विभाग ने संबंधित नगर निकायों से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है, जिसमें उनसे अपने द्वारा किए जाने वाले विशिष्ट कार्यों के बारे में पूरी जानकारी देने का अनुरोध किया गया है।



पर्यटन स्थलों का किया जाएगा निर्माण

स्वच्छ भारत मिशन के तहत, केंद्र सरकार ने निर्देश दिया है कि गंगा नदी के किनारे बसे शहरों की सफाई की जाए और उन्हें पर्यटन स्थलों के रूप में विकसित किया जाए। उत्तर प्रदेश में, गंगा नदी कानपुर, वाराणसी, प्रयागराज, फर्रुखाबाद, मिर्जापुर, गाजीपुर, मुगलसराय, बलिया, बिजनौर, कन्नौज, गंगाधर, रामनगर, गढ़मुकेशवर, नुनार, अनुपशहर, हस्तिनापुर, सैदपुर, नरौरा, बरबाला और बिदुर शहरों से होकर बहती है। हिंदू परंपरा में, गंगा को मां के रूप में पूजा जाता है। नदी के आसपास पूजा-पाठ और धार्मिक अनुष्ठान करने की एक पुरानी परंपरा रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए, सरकार का लक्ष्य इन क्षेत्रों में साफ-सफाई सुनिश्चित करते हुए पार्क और अन्य सुविधाएं विकसित करना है।

पर्यटन और आजीविका को बढ़ावा

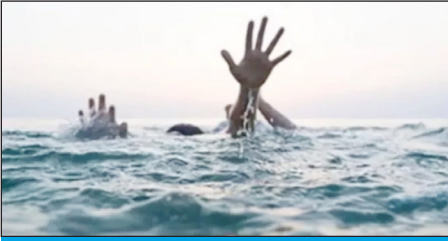
गंगा और उसकी सहायक नदियों के किनारे बसे प्रमुख शहरों को स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के दायरे में लाने से नदी के जल प्रदूषण में काफी कमी आएगी। इन शहरों में टोस और तरल कचरे का वैज्ञानिक तरीके से प्रबंधन किया जाएगा। इस पहल से इन क्षेत्रों में टिकाऊ आजीविका के अवसर बढ़ेंगे और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा, सीवेज ट्रीटमेंट की सुविधाएं भी स्थापित की जाएगी।

अलीगढ़ में कलश विसर्जन के दौरान गंगा में डूबे तीन दोस्त

दो की दर्दनाक मौत

हिंदमाता नेटवर्क @ अलीगढ़

अलीगढ़ में 300 श्रद्धालुओं के साथ संकरा गंगा घाट पहुंचे तीन दोस्तों में से दो की नदी में डूबने से मौत हो गई। स्थानीय गोताखोरों ने दोनों शवों को बाहर निकाला। स्थानीय गोताखोरों ने करीब चालीस मिनट की मशक्कत के बाद दोनों को बाहर निकाला। परिजनों के अनुरोध पर बिना पोस्टमार्टम शवों को सौंप दिए हैं। घटना से मृतकों के स्वजनों में खलबली मच गई है और उनका रो-रोकर बुरा हाल है। श्रद्धालुओं ने एक युवक को सकुशल बचा लिया, जबकि दो युवक गंगा की तेज धारा में बह गए। अलीगढ़ के विजयगढ़ थाना क्षेत्र के अंतर्गत गांव आलमपुर कठैरा निवासी निरंजन के घर आयोजित भागवत पुराण कथा का मंगलवार को समापन हुआ था।



एक युवक बचा, तेज धारा में बहे दो युवकों की मौत

श्रद्धालुओं ने कपड़ा फेंक कर अकिंत कुमार को सकुशल बाहर निकाल लिया, लेकिन प्रवीण और श्यामू तेज धारा के साथ बह गए। सूचना मिलते ही स्थानीय गोताखोर मौके पहुंच गए। गोताखोरों ने करीब 40 मिनट का गंगा में तलाश अभियान शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद दोनों युवकों को बाहर निकाला गया और उपचार के लिए सीपचसी जुनावई ले जाया गया। थाना प्रभारी धीरज सिंह ने बताया कि संकरा गंगा घाट पर स्नान के दौरान दो युवकों की डूबने से मौत हुई है। मृतकों के स्वजन ने पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया, जिसके बाद कानूनी प्रक्रिया पूरी कर शव उन्हें सौंप दिए गए।

गंगा घाट पर बड़ा हादसा, तीन युवक डूबे

कथा के समापन पर कलश विसर्जन के लिए स्वजन, रिश्तेदार और अन्य ग्रामीण संकरा गंगा घाट पहुंचे थे। बताते हैं कि लगभग तीन ट्रैक्टर और कुछ बाइकों के जरिए लगभग 300 लोग कलश विसर्जन में शामिल होने जुनावई थाना क्षेत्र के संकरा घाट पर आए थे। इसी दौरान अलीगढ़ के विजयगढ़ थाना क्षेत्र के ही गांव गैरोला के निवासी प्रवीण कुमार पुत्र लेखराज, मडरक थाना क्षेत्र के भरतऊआ निवासी श्यामू पुत्र उदयवीर, तथा एटा के फगरोल गांव निवासी अकिंत कुमार पुत्र सत्यपाल सिंह, एक बाइक पर सवार होकर कलश विसर्जन में शामिल होने पहुंचे थे।

सात लाख की साइबर ठगी का खुलासा, एक गिरफ्तार

हिंदमाता नेटवर्क @ आजमगढ़

साइबर क्राइम पुलिस टीम ने सात लाख रुपये की साइबर ठगी के मामले का खुलासा करते हुए अंतरराज्यीय गिरोह के जितेंद्र यादव निवासी पूर्वी चंपारण बिहार को गिरफ्तार किया है। ठगी की रकम को फर्जी खातों व क्रेडिट कार्ड के माध्यम से नकदी में बदलने का काम करता था। साइबर क्राइम के नोडल अधिकारी पंकज कुमार ने बताया कि दीदारगंज थाना क्षेत्र के चित्तारा महामुत्पुर निवासी सौ 17 शफी उज्जमान के यूनियन बैंक और केनरा बैंक के खातों से 17 जनवरी 2026 को कुल 6,98,619 रुपये की धनराशि उनकी जानकारी के बिना निकाल ली गई थी। पूछताछ में पता चला कि वह

संगठित साइबर गिरोह के लिए फर्जी खातों में आई ठगी की रकम को विभिन्न माध्यमों से नकद में बदलकर गिरोह के सदस्यों तक पहुंचाता था। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक मोबाइल फोन, दो एटीएम कार्ड, नकदी, आधार, पैन व मतदाता पहचान पत्र तथा एक कार बरामद की है। मामले में अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।



बिहार से आए दो किशोर नमो घाट पर नहाते समय डूबे

कड़ी मशक्कत के बाद निकाला शव

हिंदमाता नेटवर्क @ वाराणसी

वाराणसी में नमो घाट पर गंगा में डूबने की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। बुधवार सुबह घाट पर बने नमस्ते हैंड के समीप स्नान के दौरान बिहार से आए दो किशोर गहरे पानी में डूब गए। सूचना पर पुलिस, एनडीआरएफ और गोताखोरों की टीम मौके पर पहुंची। करीब एक घंटे तक चले रेस्क्यू अभियान के बाद दोनों का शव गंगा से बाहर निकाला गया।



कैसे हुआ हादसा

आदमपुर थाना प्रभारी विमल मिश्रा के अनुसार बिहार के मुजफ्फरपुर निवासी राजीव रंजन (17), आदित्य कुमार (16) और आयुष कुमार (15) बुधवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे नमो घाट पहुंचे थे। राजीव रंजन और आयुष नमस्ते हैंड के पास गंगा में स्नान करने के लिए उतरे थे। इसी दौरान दोनों गहरे पानी में बले गए और डूबने लगे। घाट पर मौजूद लोगों और उनके साथ आए आदित्य ने दोनों को बचाने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। घटना की सूचना तत्काल पुलिस कंट्रोल रूम को दी गई। इसके बाद आदमपुर पुलिस, एनडीआरएफ और स्थानीय गोताखोरों की टीम ने संयुक्त रूप से खोज अभियान शुरू किया।

गंधर्व विवाह का दावा और शारीरिक संबंधों के आरोप

मामले में सबसे गंभीर आरोप एक पीड़िता के बयान के बाद सामने आए। पुलिस के अनुसार पीड़िता ने बताया कि अभिषेक मिश्रा कथित तौर पर यह कहकर युवतियों को भ्रमित करता था कि उनका गंधर्व विवाह हो चुका है। जांच अधिकारियों के मुताबिक, इसी आधार पर वह शारीरिक संबंध बनाता था। पीड़िता की शिकायत और दर्ज बयान के आधार पर आरोपी के खिलाफ दुर्कर्म का मुकदमा दर्ज किया गया और बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस अब यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि क्या ऐसी घटनाएं सिर्फ एक पीड़िता तक सीमित थीं या फिर अन्य युवतियां भी इसी तरह के दबाव और भ्रम का शिकार हुईं।

मोबाइल में मिले फोटो और वीडियो बने जांच का अहम हिस्सा

जांच के दौरान कुछ फोटो और वीडियो भी पुलिस के संज्ञान में आए हैं। अधिकारियों के मुताबिक परिजनों द्वारा उपलब्ध कराए गए कुछ चित्रों में आरोपी युवतियों के साथ आपत्तिजनक और अंतरंग स्थिति में दिखाई दे रहा है। हालांकि इन सामग्रियों की फॉरेंसिक जांच और सत्यापन की प्रक्रिया जारी है, लेकिन पुलिस इन्हें केस के महत्वपूर्ण साक्ष्यों में शामिल कर रही है। इसके अलावा जिन परिवारों के पास इस तरह की कोई अन्य सामग्री मौजूद है, उनसे भी संपर्क किया जा रहा है ताकि जांच को और मजबूत बनाया जा सके।

शॉर्ट स्टोरी

34 साल चलता रहा केस, 85 साल की उम्र में मिली सजा

हिंदमाता नेटवर्क @ वैशाली



बिहार के वैशाली जिले में साल 1992 के जानलेवा हमले के मामले में सजा पाए 85 वर्षीय दीप राय को जमानत मिल गई है। उम्र और गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं को देखते हुए कोर्ट ने उन्हें राहत दी, जिसके बाद वे हाजीपुर जेल से रिहा होकर बाहर आ गए। उनकी उम्र और स्वास्थ्य को देखते हुए कोर्ट में जमानत की अर्जी दी गई थी, जिसमें बताया गया कि दीप राय खुद चलने-फिरने में असमर्थ हैं। उन्हें कई स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां हैं। जानकारी के मुताबिक, राधोपुर क्षेत्र में साल 1992 में हुए जानलेवा हमले के मामले में एक ही परिवार के पांच लोगों को दोषी ठहराया गया था। इस मामले में लंबी सुनावई के बाद एडीजे-1 कोर्ट के जज मनोज तिवारी ने फैसला सुनाया था। फैसले के बाद दोषियों में शामिल 85 साल के दीप राय को भी लंबी सुनावई के बाद एडीजे-1 कोर्ट ने इन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए उन्हें जमानत दे दी। जमानत मिलने के बाद आज बुधवार को वे हाजीपुर जेल से बाहर निकले। एक और 35 साल पुराने मामले में फैसला आया, वहीं दूसरी ओर उम्र और स्वास्थ्य के आधार पर एक बुजुर्ग दोषी को राहत मिल गई। दरअसल, इस मामले की शुरुआत 10 मई 1992 से होती है। उस समय पुलिस के पास केस दर्ज कराया गया था, जिसमें पीड़ित ने आरोप लगाया कि राधोपुर इलाके में एक व्यक्ति अपनी पत्नी के साथ घर के दरवाजे पर बैठा था। तभी एक ही परिवार के पांच लोग वहां पहुंचे और विवाद के दौरान उन पर हमला कर दिया। शिकायत में आरोप लगाया गया कि हमलावर हथियारों से लैस थे और उन्होंने फायरिंग के साथ जानलेवा हमला किया। घटना के बाद मामला पुलिस तक पहुंचा। जांच शुरू हुई और अगले साल यानी 1993 में पुलिस ने अदालत में चार्जशीट दाखिल कर दी। इसके बाद केस की सुनावई शुरू हुई, लेकिन न्यायिक प्रक्रिया इतनी लंबी चली कि फैसला आने में तीन शराक से ज्यादा का समय लग गया।

मौसी के साथ आपत्तिजनक हालत में मिला भांजा, परिजनों ने करा दी शादी

हिंदमाता नेटवर्क @ वैशाली



बिहार के वैशाली जिले से रिश्ते को शर्मसार करने वाला एक मामला सामने आया है। यहां एक युवक अपनी प्रेमिका से मिलने पहुंचा, लेकिन दोनों को परिजनों ने पकड़ लिया। हंगामे के बाद ग्रामीणों की मौजूदगी में दोनों की शादी करा दी गई। खास बात यह है कि युवती रिश्ते में युवक की मौसी बताई जा रही है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। मामला वैशाली जिले के भगवानपुर थाना क्षेत्र के रहेगा। गांव का है। बताया जा रहा है कि रती भगवानपुर निवासी गोलू महतो अपनी प्रेमिका ममता कुमारी से मिलने उसके घर पहुंचा था। इसी दौरान परिजनों ने दोनों को पकड़ ले लिया। घर में शोर-शराबा होने पर बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए। स्थानीय लोगों के अनुसार गोलू और ममता के बीच पिछले करीब दो वर्षों से प्रेम संबंध चल रहा था। दोनों एक-दूसरे को बचपन से जानते थे। ममता, गोलू की रिश्ते में मौसी बताई जा रही है। परिजनों का दावा है कि दोनों को आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ा गया, जिसके बाद गांव में हंगामा शुरू हो गया। ग्रामीणों ने दोनों से पूछताछ की और बाद में गांव के लोगों की मौजूदगी में उनकी शादी करा दी। शादी के दौरान का वीडियो किसी ने मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में ग्रामीणों की भीड़ और विवाह की रस्में होती दिखाई दे रही हैं।

कोचिंग के बाहर फायरिंग पर अपने

बयान से पलटे खान सर

हिंदमाता नेटवर्क @ पटना



पटना में बीती रात खान सर की कोचिंग के बाहर हुई फायरिंग मामले में अब नया मोड़ आ गया है। शुरुआती बयान में अपनी कोचिंग के बाहर गोलीबारी का दावा करते वाले खान सर ने बाद में अपने बयान से पलट गए हैं। उन्होंने कहा कि माहौल इतना तनावपूर्ण था कि वही से समझ नहीं आया। साथ ही पटना पुलिस ने भी फायरिंग की घटना से साफ इनकार किया है। कोचिंग के बाहर हुई घटना के बाद खान सर ने मीडिया को दिए बयान में कहा था कि उनके संस्थान के बाहर गोलीबारी हुई है। हालांकि, पुलिस जांच में फायरिंग की बात सामने न आने पर खान सर ने अब अपना बयान बदल दिया है। उन्होंने कहा कि उस तब वहां ऐसा माहौल था कि कुछ समझ नहीं आया और उन्होंने वही कहा जो गाढ़ में बताया था। खान सर ने कहा कि पहले उन्हें लगा था कि ये सब नॉर्मल है। हालांकि, दर्द कराई गई एफआईआर में भी फायरिंग का जिक्र नहीं किया गया है। उन्होंने पुलिस से सख्त से सख्त कार्रवाई की अपील की। दरअसल, खान सर ने मंगलवार देर रात दिए गए बयान में बताया था कि रात करीब 10 बजे ऑनलाइन बैच चल रहे थे। तभी अचानक हमलावरों ने कोचिंग पर हमला बोल दिया। खान सर के अनुसार, घटना के तैक् वो मौके पर मौजूद थे। उन्होंने दावा किया कि मैंने खुद 8 से 10 राउंड गोलीया चलाते देखी। इस घटना में सुरक्षा गार्ड घायल हो गया, गार्ड का सिर फोड़ दिया गया है। खान सर ने पास के कोचिंग संचालक पर अपनी कोचिंग के बाहर फायरिंग करने कराने का आरोप लगाते हुए कहा कि पास के कोचिंग सेंटर वाले के कहा था कि 2 दिन के अंदर कोचिंग को उड़ा दें। टीयर ने दावा किया कि इस बहूत कम फीस में बच्चों को पढ़ाते हैं, रिजल्ट देते हैं। ये बचकाना हरकत है। गाढ़ ने स्पष्ट रूप से बताया कि हमलावर कोचिंग वाले लोग हैं। खान सर ने दावा किया कि सभी के चेहरे देख लिए गए हैं और नामजद एफआईआर दर्ज करा दी गई है। उन्होंने यह एक कहा कि बम भी चलाया गया, लेकिन शुरुआत में लगा कि ये नॉर्मल है। वही, पटना पुलिस ने फायरिंग की किसी भी घटना से इनकार कर दिया है। पुलिस के अनुसार, ये दो कोचिंग संस्थानों के बीच मारपीट की घटना है।

यूएस का भारत समेत 60 देशों पर टैरिफ बम!

ट्रेड डील के बीच ट्रंप सरकार का बड़ा फैसला,जबरन मजदूरी का लगाया आरोप

हिंदमाता नेटवर्क @ वाशिंगटन
भारत-अमेरिका ट्रेड डील के बीच नया मोड़ एक तरफ जहाँ भारत और अमेरिका ने अंतरिम व्यापार समझौता फ्रेमवर्क तैयार कर लेने की सकारात्मक घोषणा की है, वहीं दूसरी तरफ डोनाल्ड ट्रंप की सरकार ने एक बार फिर टैरिफ बम फोड़कर व्यापारिक दुनिया में हलचल मचा दी है। बुधवार, 3 जून 2026 को अमेरिकी प्रशासन ने भारत सहित दुनिया के 60 प्रमुख व्यापारिक भागीदार देशों के उत्पादों पर अतिरिक्त टैरिफ लगाने का प्रस्ताव पेश किया है।

जबरन मजदूरी का लगाया आरोप
अमेरिकी सरकार ने यह कठोर कदम उठाने के पीछे मानवाधिकारों और श्रम नियमों का हवाला दिया है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय द्वारा जारी रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि इन 60 देशों में जबरन मजदूरी के जरिए सामान तैयार किया जाता है और इन देशों ने ऐसे सामान के आयात पर लगे प्रतिबंधों को सही तरीके से लागू नहीं किया है। अमेरिका का तर्क है कि इससे अमेरिकी कामगारों को वैश्विक बाजार में असमान और अनुचित प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ता है। यूएस ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव के राजदूत जैमिसन ग्रीयर ने इस फैसले पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि हमारे महत्वपूर्ण व्यापारिक साझेदारों का जबरन मजदूरी से बने सामान को रोकने में विफल रहना अस्वीकार्य है।



किस देश पर कितना लगेगा टैक्स?
नए प्रस्ताव के अनुसार, देशों को दो श्रेणियों में बांटा गया है जिन पर 10 प्रतिशत से लेकर 12.5 प्रतिशत तक का अतिरिक्त टैरिफ लगाया जाएगा 12.5% अतिरिक्त टैरिफ : भारत, चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, ब्राजील और स्विट्जरलैंड जैसे देशों के उत्पादों पर 12.5 प्रतिशत का भारी आयात शुल्क लगाने का प्रस्ताव है। 10% अतिरिक्त टैरिफ : कनाडा, मेक्सिको, ताइवान, ब्रिटेन और कुछ अन्य देशों पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाया जाएगा।

क्या तुरंत लागू होंगे ये नियम?
राहत की बात यह है कि ये नए टैरिफ अभी तुरंत प्रभावी नहीं होंगे। अमेरिकी कानून के अनुसार, इन टैरिफ को लागू करने से पहले जनता की राय ली जाएगी और पूरे प्रस्ताव की समीक्षा की जाएगी। विशेषज्ञों का मानना है कि इस कदम से भारत और अमेरिका के बीच चल रही व्यापारिक वाताओं पर असर पड़ सकता है और भविष्य में निर्यात महंगा होने से भारतीय कंपनियों की लागत बढ़ सकती है।

रूस के मिसाइल तांडव से दहला यूक्रेन!

बच्चों समेत 22 की मौत, जेलेंस्की ने यूरोप से लगाई गुहार

हिंदमाता नेटवर्क @ वाशिंगटन
यूक्रेन के लिए बहुत कठिन रहा आज का दिन यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने रूस द्वारा किए गए बड़े हमाने पर हवाई हमलों की जानकारी देते हुए बताया कि आज का दिन देश के लिए बहुत ही चुनौतीपूर्ण रहा है। रूस ने यूक्रेन के कई शहरों को निशाना बनाते हुए बड़ी संख्या में बैलिस्टिक मिसाइलें और घातक ड्रोन दागे हैं। जिसके बाद से देश के कई हिस्सों में हवाई हमले के सायरन गूँज रहे हैं और आसमान से लगातार खतरा बना हुआ है।

कीव और डनिप्रो में तबाही

जेलेंस्की ने पुष्टि की है कि रूसी हमलों में मुख्य रूप से कीव और डनिप्रो शहर सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं, जहां बच्चों सहित कुल 22 लोगों की जान चली गई है। बीती रात हुए इन हमलों में करीब 130 लोग घायल भी हुए हैं। राष्ट्रपति ने आज घोषणा की खोने वाले परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि वे अपने लोगों और समुदायों की सुरक्षा के लिए हर संभव कोशिश कर रहे हैं।

अगले 24 घंटे संवेदनशील
यूक्रेनी खुफिया जानकारी के हवाले से जेलेंस्की ने एक और गंभीर चेतावनी जारी की है। उन्होंने बताया कि खुफिया इनपुट के अनुसार, आज रात भी एक और बड़ा हमला हो सकता है। हवाई खतरों का सामना करने के लिए देश के अलग-अलग इलाकों में अलर्ट को एक्टिव रखा गया है। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने संकट की इस घड़ी में मदद करने वाले साझेदारों का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने विशेष रूप से इटली का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे दिल से आभारी हैं कि इटली शांति चाहता है और मानता है कि कीव की स्वतंत्रता की रक्षा करना एक साझा मुद्दा है।

ईरान ने बहरीन-कुवैत पर मिसाइलें दागीं

जवाब में यूएस ने केशम द्वीप पर की भीषण एयरस्ट्राइक

हिंदमाता नेटवर्क @ तेहरान
मिडिल ईस्ट में जारी तनाव ने अब एक विनाशकारी मोड़ ले लिया है, जहां अमेरिका और ईरान के बीच सीधी सैन्य जंग शुरू हो गई है। बुधवार, 3 जून 2026 को ईरान ने क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी ठिकानों पर बैलिस्टिक मिसाइलों और घातक ड्रोनों से हमला बोल दिया। इस उल्कावे वाली कार्रवाई के तुरंत बाद अमेरिकी वायुसेना ने आक्रामक रुख अपनाते हुए ईरानी क्षेत्र के भीतर घुसकर जवाबी एयरस्ट्राइक की है।

केशम द्वीप पर हमला

ईरान की इस उल्कावे वाली कार्रवाई के जवाब में अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने तुरंत पलटवार करते हुए केशम द्वीप पर स्थित ईरानी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। अमेरिकी विमानों ने द्वीप पर स्थित एक प्रमुख ग्राउंड कंट्रोल स्टेशन पर सटीक हमला किया।



ईरान का आक्रामक मिसाइल हमला

ईरान ने अपनी सैन्य क्षमताओं का प्रदर्शन करते हुए अमेरिकी ठिकानों और अपने क्षेत्रीय पड़ोसी देशों को निशाना बनाकर ताबड़तोड़ मिसाइलें दागीं। ईरानी सशस्त्र बलों और वहां के सरकारी मीडिया ने दावा किया कि उन्होंने बहरीन में तैनात अमेरिकी नौसेना के पांचवें बेड़े के मुख्यालय और एक महत्वपूर्ण अमेरिकी एयर बेस पर सफल हमला किया है। ईरान ने इन हमलों को अपनी पुरानी चेतावनी का हिस्सा बताया, जिसमें उन्होंने कहा था कि किसी भी आक्रामक कार्रवाई का जवाब अकल्पनीय और गंभीर होगा।

अमेरिकी सेना ने ईरान के दावों को बताया झूठ
जहां एक ओर ईरान अपने मिशन को कामयाब बता रहा है, वहीं अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने इन दावों को सिर से खारिज कर दिया है। सेंटकॉम ने सोशल मीडिया पर जारी एक बयान में कहा कि बहरीन में उनके किसी भी मुख्यालय या बेस को नुकसान नहीं पहुंचा है और ईरान का दावा पूरी तरह झूठ है। सच तो यह है कि अमेरिकी बलों पर किए गए ईरान के सभी हमले पूरी तरह नाकाम रहे हैं। सेंटकॉम ने आगे बताया कि कुवैत की ओर दागी गईं दो मिसाइलें या तो हवा में ही नष्ट कर दी गईं या वे लक्ष्य से चूक गईं।

हिंदमाता हंकर नेपाल की संसद मेंप्रधानमंत्री बालेन शाह के बयान पर मचा घमासान, गंडक, जामुनी और सिरसिया नदी के जलमार्ग पर नए सिरे से बहस छिड़ी

210 सालों में तीन नदियों का बदला रूट,नेपाल-भारत के बीच सीमा विवाद की असल कहानी

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली
नेपाल और भारत के बीच सीमा विवाद ने एक बार फिर तूल पकड़ लिया है। नेपाल की संसद में प्रधानमंत्री बालेन शाह के बयान पर मचा घमासान अभी थमा भी नहीं था कि सत्तारूढ़ दल आरएसएस के अध्यक्ष रवि लामिछाने ने नई दिल्ली पहुंच गए हैं। लामिछाने यहाँ आकर सीमा विवाद के समाधान की कांशिश कर रहे हैं। भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल के अनुसार, दोनों देशों के बीच सीमा संबंधों 98 प्रतिशत विवाद सुलझ चुके हैं। हालांकि, गंडक नदी के मार्ग में बदलाव के कारण कुछ विवाद बने हुए हैं, जिन्हें दोनों पक्ष आपसी बातचीत के जरिए आसानी से सुलझा सकते हैं। नेपाल और भारत के बीच सीमा विवाद की शुरुआत 2020 के आसपास हुई, जब नेपाल ने कालापानी पर अपना दावा जताया। नेपाल का कहना था कि सुगौली संधि के तहत कालापानी और लिलुलेख की मैपिंग गलत तरीके से की गई थी और ये क्षेत्र वास्तव में नेपाल का हिस्सा हैं। इसके बाद नेपाल और भारत, दोनों पक्षों ने अपने-अपने दावे पेश किए। इन दावों के अनुसार, 3 ऐसी नदियां हैं जिनके मार्ग बदलने से दोनों देशों के बीच सीमा विवाद और ज्यादा गहरा गया।



पहले सुगौली संधि को समझिए

4 मार्च को 1816 को सुगौली संधि पर हस्ताक्षर हुआ था। नदियों को केंद्र में रखकर उस वक्त ब्रिटिश शासन ने भारत और नेपाल के बीच की सीमा तय की थी। नेपाल और भारत के बीच 1751 किलोमीटर की सीमा है। जो पूरी तरह खुली हुई है। दावे के मुताबिक संधि के दौरान नेपाल के तत्कालीन महाराजा बिक्रम साह ने ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी को कई जगहों पर जमीन दान में दी थी। इनमें काली और राम्ही नदियों के बीच का पूरा निचला इलाका शामिल था।

सऊदी अरब में भारत के अगले राजदूत होंगे विपुल

सुहेल खान की लेंगे जगह

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली
भारत सरकार ने सऊदी अरब के साथ अपने रणनीतिक संबंधों को और मजबूती देने के लिए एक महत्वपूर्ण नियुक्ति की है। बिहार के मूल निवासी विपुल को सऊदी अरब साम्राज्य में भारत का अगला राजदूत नियुक्त किया गया है। वह वर्तमान में रियाद में राजदूत के रूप में कार्यरत डॉ। सुहेल एजाज खान की जगह लेंगे। डॉ। सुहेल खान, जो मध्य प्रदेश के रहने वाले हैं और 2023 से वहां सेवा दे रहे हैं, अपना कार्यकाल पूरा कर जल्द ही भारत लौटेंगे।



कौन हैं राजनयिक विपुल?

राजनयिक विपुल 1998 बैच के भारतीय विदेश सेवा अधिकारी हैं और उनके पास राजनयिक करियर का बड़ा अनुभव है। सऊदी अरब की जिम्मेदारी संभालने से पहले, उन्होंने 17 अगस्त 2023 से कतर में भारत के राजदूत के रूप में कार्य किया है। उन्होंने अपने करियर में काहिरा, कोलंबो, जिनेवा और दुबई स्थित भारतीय दूतावासों में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवाएं दी हैं।

महत्वपूर्ण पदों और शिक्षा का सफर

विपुल का शैक्षणिक और पेशेवर रिकॉर्ड अत्यंत प्रभावशाली रहा है। उन्होंने 1994 में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान , दिल्ली से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक किया और इसके बाद हैदराबाद के इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस से एमबीए की उपाधि प्राप्त की। विदेश मंत्रालय में उन्होंने कई अहम जिम्मेदारियां निभाई हैं: 2014-2017 : विदेश मंत्रालय में निदेशक/संयुक्त सचिव। 2017-2020 : दुबई में भारतीय महावाणिज्यदूत। 2020-2023 : विदेश मंत्रालय में संयुक्त सचिव (खाड़ी क्षेत्र)। उनका अनुभव राजनीति, व्यापार, विकास, निरस्त्रीकरण और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा जैसे कई बड़े मुद्दों में है।

भारत-सऊदी अरब रणनीतिक संबंधों

विपुल की यह नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब भारत-सऊदी अरब के संबंध एक ऐतिहासिक और रणनीतिक मोड़ पर हैं। दोनों देशों के बीच सहयोग ऊर्जा, रक्षा, आतंकवाद-रोधी प्रयासों और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में निरंतर बढ़ रहा है।

मौत के 95 दिन बाद अली खामेनेई का होगा अंतिम संस्कार

तीन दिन तक दी जाएगी बिदाई, मोजतबा होंगे शामिल!

हिंदमाता नेटवर्क @ तेहरान

ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई का आज अंतिम संस्कार किया जाएगा। खामेनेई की मौत 28 फरवरी 2026 को अमेरिका और इजरायल के हमलों में हो गई थी। इसके बाद उनके बेटे मोजतबा खामेनेई को ईरान का सर्वोच्च नेता चुना गया था। मोजतबा अमेरिकी हमले के बाद से ही अंडरग्राउंड हैं। सरकारी मीडिया ने की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरानी अधिकारियों ने 3 जून को अयातुल्ला अली खामेनेई अंतिम संस्कार की योजना बनाई है। यह उनका अंतिम संस्कार जनता के बीच किया जाएगा और यह कार्यक्रम 3 दिन तक चलेगा। इस दौरान सभी इस्लामिक रीति-रिवाजों का पालन किया जाएगा। हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि इस कार्यक्रम में मोजतबा खामेनेई शामिल होंगे या नहीं।



कई शहरों में आयोजित होगी शोक सभा

अली खामेनेई के अंतिम संस्कार को लेकर तेहरान के बिटी मेयर मोहम्मद अमीर तवातोली-जादेन ने बताया कि कई शहरों में सुप्रीम लीडर की याद में शोक सभाएं आयोजित होंगी। उन्होंने कहा कि सुप्रीम लीडर की याद में जुलूस निकाले जाएंगे, कई शहरी सेंट्रो में शोक सभाएं आयोजित होंगी। इनमें राजधानी तेहरान के साथ-साथ कोम और मशहद के धार्मिक सेंटर भी शामिल हैं। अधिकारी ने इतना कहा कि, नगर निगम के अधिकारी अभी राजधानी में होने वाले कार्यक्रमों के लिए तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि इन कार्यक्रमों में कम से कम 20 मिलियन लोग शामिल हो सकते हैं। हम उसी हिसाब से तैयारी कर रहे हैं।

बिजनेस वर्ल्ड

विमान ईंधन के दाम स्थिर बनाए रखने को 10,000 करोड़ रुपए का कोष

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली
केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमत स्थिर बनाये रखने के लिए 10,000 करोड़ रुपये के कोष की मंजूरी दी। इसका उद्देश्य पश्चिम एशिया संकट के कारण ईंधन की बढ़ती कीमतों से एयरलाइन कंपनियों को राहत देते हुए हवाई संपर्क को बनाये रखना और किराये में उतार-चढ़ाव पर अंकुश लगाना है। आधिकारिक बयान के अनुसार, इस योजना के तहत सरकारी पेट्रोलियम विपणन कंपनियों (ओएमसी) को 10,000 करोड़ रुपये तक का ब्याज-मुक्त कर्ज दिया जाएगा। इससे वे घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए अनुसूचित भारतीय एयरलाइंस को स्थिर कीमत पर एटीएफ की आपूर्ति कर सकेंगी। इस सहायता की घोषणा ऐसे समय की गई है जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में एटीएफ की कीमत मई में बढ़कर लगभग 142 रुपये प्रति लीटर हो गई जबकि मार्च में यह 60.50 रुपये प्रति लीटर थी। इससे विमानन कंपनियों पर वित्तीय दबाव बढ़ गया है। एयरलाइंस में ईंधन खर्च परिवर्तन लागत का लगभग 40 प्रतिशत और कुछ मामलों में अत्यधिक अस्थिरता के समय 60 प्रतिशत तक होता है। इस व्यवस्था के तहत, पेट्रोलियम विपणन कंपनियों को तब क्षतिपूर्ति दी जाएगी जब अंतरराष्ट्रीय आयात समता मूल्य स्वीकृत प्रणाली के तहत निर्धारित मानक स्तर से अधिक हो जाएगा। वैश्विक ईंधन कीमतों में नरमी आने पर तेल कंपनियों को दी गई सहायता वापस ले ली जाएगी और एक निर्धारित समायोजन प्रक्रिया के माध्यम से प्राप्त राशि को भारत की संचित निधि में वापस कर दिया जाएगा। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में लिए गए इस निर्णय की जानकारी देते हुए कहा कि यह बकातीय सहायता पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और पाकिस्तान के भारतीय एयरलाइंस के लिए हवाई क्षेत्र बंद करने के कारण विमान ईंधन की कीमतों में वृद्धि के बीच एयरलाइन कंपनियों को राहत देगी। फरवरी के अंत में शुरू हुए पश्चिम एशिया संकट के बाद हाल के हफ्तों विमान ईंधन के दाम तेजी से बढ़े हैं। वैष्णव ने कहा कि यह कोष भारतीय अनुसूचित भारतीय एयरलाइन कंपनियों के लिए एटीएफ की कीमतों को स्थिर करने और संभालने में बाधा को रोकने में मददगार होगा। उन्होंने कहा कि इस कोष से, जब तक संकट बना रहेगा, एयरलाइंस को एटीएफ स्थिर कीमत पर मिलेगा और संकट समाप्त होने के बाद, इसमें शामिल एयरलाइंस को यह राशि वापस करनी होगी।

एआई निवेश में पिछड़ा भारत, उदय कोटक ने कंपनियों को दिया निवेश का अहम सुझाव

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली
एआई टेक्नोलॉजी में निवेश की भारी कमी के कारण भारतीय शेयर बाजार ताइवान और दक्षिण कोरिया से काफी पिछड़ गया है। देश के सबसे रईस और मशहूर बैंकर उदय कोटक ने भारत की सभी कंपनियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में तुरंत निवेश करने की अपील की है। कोटक का स्पष्ट मानना ​​है कि अब आईपीएल पूरी तरह से खत्म हो चुका है और सभी को सिर्फ बिजनेस पर फोकस करना चाहिए। दुनिया के कई छोटे-बड़े देश एआई में भारी निवेश कर रहे हैं, जबकि भारत इस मामले में अभी दूसरे देशों से काफी पीछे नजर आ रहा है। शेयर बाजार में आई भारी गिरावट और विदेशी निवेशकों की लगातार निकासी ने भारत के सामने एक बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है। ऐसे में उदय कोटक की यह अहम चेतावनी भारतीय कंपनियों के लिए भविष्य की तैयारी करने का एक बहुत बड़ा वेक-अप कॉल है। दुनिया की डिग्ज टैक कंपनी गुगल अपने एआई इन्फ्रास्ट्रक्चर को तेजी से बढ़ाने के लिए 80 बिलियन डॉलर यानी करीब 7.6 लाख करोड़ रुपये जुटा रही है। गुगल की पेरेंट कंपनी अल्फाबेट 4.342 ट्रिलियन डॉलर के विशाल मार्केट कैप के साथ दुनिया की तीसरी सबसे मूल्यांकन कंपनी बन चुकी है। यह भारत की सभी बड़ी कंपनियों के लिए सोचने का अहम विषय है कि दुनिया एआई के क्षेत्र में कितनी तेजी से आगे बढ़ रही है। उदय कोटक ने बताया कि गुगल का सालाना प्रॉफिट 160 अरब डॉलर था और पिछली तिमाही में ही कंपनी ने 62 अरब डॉलर का भारी मुनाफा कमाया है। यह शानदार मुनाफा भारत की सभी लिस्टेड कंपनियों के कुल प्रॉफिट और मार्केट कैप के लगभग बराबर माना जा रहा है। यही सबसे बड़ी वजह है कि भारत को भी एआई तकनीक और बुनियादी ढांचे में तुरंत भारी निवेश करने की सख्त जरूरत है। इस साल भारतीय शेयर बाजार में करीब 8 फीसदी की बहुत बड़ी गिरावट दर्ज की गई है जिससे निवेशकों की चिंताएं बढ़ गई हैं।

टीसीएस के शेयर में 1 दिन में सबसे बड़ी तबाही, कोरोना के समय जैसा हुआ हाल

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई
आईटी सेक्टर की देश की सबसे बड़ी कंपनियों में से एक टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के शेयरों में बुधवार को भारी गिरावट देखने को मिली। कारोबार के दौरान कंपनी का शेयर 9% से अधिक टूटकर 2,224.80 रुपये तक पहुंच गया। यह मार्च 2020 के कोविड-19 बाजार संकट के बाद टीसीएस के लिए सबसे बड़ी एकदिनी गिरावट मानी जा रही है। इस तेज गिरावट का असर पूरे आईटी सेक्टर पर पड़ा। निफ्टी आईटी इंडेक्स और प्रमुख बैंकिंग सूचकांक संसेख तथा निफ्टी पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव देखने को मिला। टीसीएस बाजार पूंजीकरण के लिहाज से देश की सबसे बड़ी कंपनियों में शामिल है, इसलिए इसके शेयर में बड़ी गिरावट का असर व्यापक बाजार पर भी पड़ा। दिलचस्प बात यह है कि यह गिरावट ऐसे समय आई है जब आईटी शेयरों में हाल के दिनों में अच्छी तेजी देखी गई थी। मंगलवार को निफ्टी आईटी इंडेक्स 4% से ज्यादा उछला था, जो मई 2026 के बाद उसकी सबसे बड़ी एकदिनी बढ़त थी। पिछले तीन कारोबारी सत्रों में आईटी इंडेक्स करीब 8% चढ़ा था, जबकि इसी अवधि में निफ्टी 50 में करीब 2% की गिरावट दर्ज की गई थी। टीसीएस का शेयर भी मंगलवार तक दो दिनों में लगभग 8% बढ़ चुका था, लेकिन बुधवार की बिकवाली ने इस पूरी तेजी को मिटा दिया। एक्सबीआई सर्विसेजरीटिज के टैक्निकल रिसर्च प्रमुख सुदीप शाह के अनुसार, टीसीएस को 2,600-2,605 रुपये के स्तर पर मजबूत रुकावट का सामना करना पड़ा। यह स्तर कंपनी के 100-दिवसीय एक्सापोनेंशियल मूविंग एवरेज के आसपास था। इसी के बाद शेयर में तेज बिकवाली शुरू हुई। उन्होंने बताया कि आरएसएआई जैसे मोमेंटम इंडिकेटर भी कमजोर हो रहे हैं, जो शेयर में तेजी की ताकत कम होने का संकेत देते हैं। इसके अलावा शेयर महत्वपूर्ण मूविंग एवरेज स्तरों के नीचे फिसल चुका है, जिससे तकनीकी तस्वीर कमजोर दिखाई दे रही है।

पाकिस्तान की आएगी शामत, भारत खरीदेगा 17 हजार करोड़ के सैन्य ड्रोन

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली
भारत इस साल घरेलू कंपनियों से 2 अरब डॉलर (करीब 17,000 करोड़ रुपये) से अधिक मूल्य के सैन्य ड्रोन खरीदने की तैयारी कर रहा है। यदि यह योजना मंजूरी पाती है तो यह देश का अब तक का सबसे बड़ा सैन्य ड्रोन खरीद सौदा होगा। उद्योग जगत से जुड़े सूत्रों के अनुसार, इस खरीद प्रक्रिया पर तेजी से काम चल रहा है और अगले 18 से 24 महीनों के भीतर ड्रोन की आपूर्ति शुरू हो सकती है। यह खरीद हाल ही में दिए गए लगभग 3,000 करोड़ रुपये के टैक्निकल ड्रोन ऑर्डर की तुलना में कई गुना बड़ी होगी। माना जा रहा है कि सेना की तत्काल जरूरतों को पूरा करने के लिए सरकार फास्ट-ट्रैक खरीद प्रक्रिया का इस्तेमाल कर सकती है। पिछले कुछ वर्षों में दुनिया भर में युद्ध और सैन्य अभियानों का स्वरूप तेजी से बदला है। रूस-यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया में जारी संघर्षों ने यह साबित कर दिया है कि कम लागत वाले ड्रोन भी युद्ध के मैदान में बड़ा असर डाल सकते हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच पिछले साल हुए तनाव के दौरान भी दोनों देशों ने बड़े पैमाने पर ड्रोन का इस्तेमाल किया था। इससे भारतीय सेना ने निगरानी, लक्ष्य पहचान और सटीक हमलों के लिए ड्रोन की जरूरत को और गंभीरता से महसूस किया। रक्षा विशेषज्ञों का मानना ​​है कि आधुनिक युद्ध में ड्रोन अब सेना की ताकत बढ़ाने वाले महत्वपूर्ण हथियार बन चुके हैं। भारत में इस समय 600 से अधिक कंपनियां ड्रोन और उनसे जुड़े उपकरणों का निर्माण कर रही हैं। इनमें 100 से ज्यादा कंपनियां रक्षा क्षेत्र के लिए विशेष रूप से काम कर रही हैं। इस क्षेत्र में बड़ी कंपनियों के साथ-साथ कई स्टार्टअप भी सक्रिय हैं। आदानी समूह, लार्सन एंड टुब्रो, टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स, आईडियाफोर्ज, न्यूरोस रिसर्च और एस्टेरिया एयरस्पेस जैसी कंपनियां सैन्य ड्रोन, निगरानी प्रणाली और अन्य रक्षा तकनीकों पर काम कर रही हैं। बड़े ऑर्डर मिलने से इन कंपनियों की उत्पादन क्षमता और निवेश दोनों में तेजी आने की उम्मीद है। सरकार पिछले कुछ वर्षों से रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने पर जोर दे रही है। इसी दिशा में रक्षा खरीद प्रक्रिया को सरल बनाया गया है और घरेलू कंपनियों को प्राथमिकता दी जा रही है।





08

40 दिनों में भारत के खिलाफ 12 मैच खेलेगा न्यूजीलैंड

न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड (एनजेडसी) ने बुधवार को अपने घरेलू अंतरराष्ट्रीय सत्र 2026/27 का कार्यक्रम जारी कर दिया। इस कार्यक्रम का सबसे बड़ा आकर्षण भारत का न्यूजीलैंड दौरा है, जिसे मेजबान देश के इतिहास के सबसे बड़े द्विपक्षीय क्रिकेट दौरों में से एक माना जा रहा है। भारतीय टीम 22 अक्टूबर से एक दिसंबर 2026 तक न्यूजीलैंड में रहेगी। इस दौरान दोनों देशों के बीच कुल 12 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले जाएंगे, जिनमें पांच टी-20, पांच वनडे और दो टेस्ट मैच शामिल हैं। करीब 40 दिनों तक चलने वाला यह दौरा पांच प्रमुख शहरों में आयोजित किया जाएगा।

ब्लैक-कैप्स ने बताया खास मौका

न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड के मुख्य मार्केटिंग और कर्माश्रित अधिकारी ग्लेन क्रिचली ने इस दौर को बेहद खास बताया। उन्होंने कहा कि यह एक पीढ़ी में एक बार आने वाला मौका है। जब क्रिकेट की बात आती है तो भारत से बड़ा कुछ नहीं है। हम न्यूजीलैंड के लोगों को ऐसा दौरा देने जा रहे हैं जैसा पहले कभी नहीं देखा गया। यह सिर्फ क्रिकेट नहीं, बल्कि दोनों देशों के साझा इतिहास, संस्कृति और बढ़ती दोस्ती का उत्सव होगा। न्यूजीलैंड सरकार ने भी इस दौर को समर्थन देने की घोषणा की है। यह समर्थन भारत और न्यूजीलैंड के बीच लगभग 100 वर्षों से चले आ रहे खेल संबंधों को समर्पित बताया गया है।

टी-20 सीरीज से होगी शुरुआत

भारत का दौरा पांच मैचों की टी-20 सीरीज से शुरू होगा। पहला और दूसरा टी-20 क्रमशः 22 और 24 अक्टूबर को क्राइस्टचर्च के हैगले ओवल में खेले जाएंगे। इसके बाद तीसरा टी-20 27 अक्टूबर को वेलिंगटन में होगा, जबकि चौथा मुकाबला 30 अक्टूबर को ऑकलैंड के ईडन पार्क में खेला जाएगा। पांचवां और अंतिम टी-20 मेच 20 नवंबर को हैमिल्टन के सेडन पार्क में आयोजित होगा।

टेस्ट सीरीज पर रहेंगी निगाहें

दोरे का समापन दो मैचों की टेस्ट सीरीज के साथ होगा। पहला टेस्ट 19 से 23 नवंबर तक वेलिंगटन के प्रतिष्ठित बेसिन रिजर्व मैदान पर खेला जाएगा। दूसरा और अंतिम टेस्ट 27 नवंबर से एक दिसंबर तक क्राइस्टचर्च के हैगले ओवल में आयोजित होगा।

भारत बनाम न्यूजीलैंड सीरीज का पूरा शेड्यूल		
तारीख	मुकाबला	स्थान
22 अक्टूबर	पहला टी-20 हैगले ओवल	क्राइस्टचर्च
24 अक्टूबर	दूसरा टी-20 हैगले ओवल	क्राइस्टचर्च
27 अक्टूबर	तीसरा टी-20 हेनरी स्टेडियम	वेलिंगटन
30 अक्टूबर	चौथा टी-20 ईडन पार्क	ऑकलैंड
1 नवंबर	पांचवां टी-20 सेडन पार्क	हैमिल्टन
4 नवंबर	पहला वनडे ईडन पार्क	ऑकलैंड
7 नवंबर	दूसरा वनडे हेनरी स्टेडियम	वेलिंगटन
10 नवंबर	तीसरा वनडे सेडन पार्क	हैमिल्टन
13 नवंबर	चौथा वनडे वे ओवल	टोरंगा
15 नवंबर	पांचवां वनडे वे ओवल	टोरंगा
19-23 नवंबर	पहला टेस्ट बेसिन रिजर्व	वेलिंगटन
27 नवंबर-1 दिसंबर	दूसरा टेस्ट हैगले ओवल	क्राइस्टचर्च

प्रसारण और टिकटों को लेकर उत्साह

स्काई न्यूजीलैंड अगले छह सत्रों के लिए न्यूजीलैंड क्रिकेट का आधिकारिक प्रसारण साझेदार बनेगा। स्काई के स्पोर्ट्स कंटेंट प्रमुख मेरी बर्चेंट ने कहा कि भारत का दौरा विश्व क्रिकेट का सबसे बड़ा आकर्षण है और इसे दर्शकों के लिए यादगार प्रसारण अनुभव बनाने की तैयारी की जा रही है। दोरे के लिए टिकटों की भारी मांग की उम्मीद जताई जा रही है। प्रशंसकों को अगस्त में शुरू होने वाली विशेष प्री-सेल के लिए रजिस्ट्रेशन कराने की सलाह दी गई है।

प्रतिद्वंद्विता का नया अध्याय

पिछले कुछ वर्षों में भारत और न्यूजीलैंड के बीच कई बड़े मुकाबले देखने को मिले हैं। 2019 विश्व कप सेमीफाइनल, 2021 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल, 2023 विश्व कप सेमीफाइनल, 2024 चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल और हालिया टी-20 विश्व कप फाइनल जैसी प्रतियोगिताओं में दोनों टीमों की टक्कर चर्चा का विषय रही है। ऐसे में 2026 का यह लंबा दौरा क्रिकेट फैंस के लिए एक और रोमांचक अध्याय लिख सकता है।

अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज की तैयारी शुरू

भारतीय टीम ने अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच के लिए तैयारी शुरू कर दी है। शुभमन गिल के नेतृत्व वाली भारतीय टीम 6 जून से अफगानिस्तान के खिलाफ मुल्लापुर में टेस्ट मैच खेलेगी। भारतीय टेस्ट टीम के ज्यादातर खिलाड़ी हाल ही में समाप्त हुए आईपीएल में अपनी-अपनी टीमों के लिए खेल रहे हैं। भारतीय कप्तान शुभमन गिल की टीम गुजरात टाइटन्स से फाइनल तक का सफर तय किया है और उन्होंने हाल ही में बैक टू बैक गेम खेले हैं, जिसके कुछ दिन बाद वह टेस्ट टीम का नेतृत्व करने के लिए उतरेंगे। भारत और अफगानिस्तान के बीच पहला टेस्ट न्यू चंडीगढ़ में शनिवार से खेला जाएगा। टीम इंडिया एक्स प्र ट्रेनिंग सेशन का एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें कुलदीप यादव, यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल अन्य खिलाड़ियों के साथ अभ्यास कर रहे हैं।

दैनिक ठाणे, गुरुवार 4 जून, 2026 पैनी नजर, पुख्ता खबर

हिंदमाता मिरर



आईपीएल में नहीं चला सूर्यकुमार यादव का जादू

भारतीय टी-20 कप्तान सूर्यकुमार का खराब फॉर्म का दौर स्वल्म होने का नाम नहीं ले रहा है। पुरे आईपीएल के दौरान रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे भारतीय टी-20 कप्तान टी-20 मुंबई लीग 2026 में भी पहले मैच में प्लेऑफ रहे हैं और टीम को भी हार का सामना करना पड़ा है। नॉर्थ मुंबई पैथर्स और ट्रायम्फ नाइट्स मुंबई नॉर्थ ईस्ट के बीच खेले गए मुकाबले के दौरान सूर्यकुमार 12 गेंदों में 19 रन ही बना सके। वानखेड़े स्टेडियम में अजिंक्य रहाणे के नेतृत्व वाली नॉर्थ मुंबई पैथर्स ने मुंबई नॉर्थ ईस्ट पर 21 रन की दमदार जीत हासिल की। सूर्या हाल ही में समाप्त इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में भी रन बनाने के लिए जूझ रहे थे।

■ नॉर्थ मुंबई पैथर्स और ट्रायम्फ नाइट्स मुंबई नॉर्थ ईस्ट के बीच हुए मुकाबले में सूर्यकुमार यादव ने 12 गेंद में 19 रन बनाए। उनका स्ट्राइक रेट 172.73 का रहा। राहुल सावंत ने उन्हें कैच आउट करवाया। अजिंक्य रहाणे की लीडरशिप वाली नॉर्थ मुंबई पैथर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट खीकर 209 रन बनाए। टीम के लिए हार्दिक तोमर ने 43 गेंद में 67 और आयुष ने 21 गेंद में 39 रन की पारी खेली। ट्रायम्फ नाइट्स के लिए सिल्वेस्टर डिसूजा ने दो विकेट लिए।

■ 210 रन के मुश्किल टारगेट का पीछा करते हुए, नाइट्स जरूरी स्पीड से रन बनाने में स्टगल कर रही थी, बावजूद इसके कि इम्पेक्ट सब्सटीट्यूट नूतन गोयल ने 56 गेंदों पर 93 रन बनाकर पारी को संभाला। इस लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम की शुरुआत खराब रही और दोनों ओपनर सस्ते में आउट हो गए, जिससे इंडिया टी 20 के कप्तान सूर्यकुमार यादव (19) क्रीज पर आए और वानखेड़े की भीड़ ने जोरदार चीयर किया। सूर्यकुमार ने हमेशा की तरह पॉजिटिव तरीके से जवाब दिया, चार बाइंडी लगाई और पावरप्ले के आखिर तक नाइट्स का स्कोर 56/2 हो गया।

■ हालांकि, बाएं हाथ के स्पिनर राहुल सावंत ने सूर्यकुमार और सागर मिश्रा को जल्दी-जल्दी आउट करके मैच पैथर्स की तरफ मोड़ दिया। हर्षल जाधव और नूतन ने पांचवें विकेट के लिए 55 रन की पार्टनरशिप करके वापसी की कोशिश की, जबकि 20 साल के नूतन ने 24 रन पर मिले जीवनदान का फायदा उठाते हुए लगातार 2 छवकों की मदद से 32 गेंदों में फिफ्टी पूरी की। लेकिन रिव्वायर्ड रेट लगातार बढ़ने के कारण, नाइट्स के लिए इसे बनाए रखना मुश्किल हो गया और आखिरकार वे 188/8 पर टिकट गए।

आईपीएल 2026 में सूर्यकुमार

मुंबई इंडियंस के स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव का आईपीएल 2026 में प्रदर्शन निराशाजनक रहा। उन्होंने 13 मैचों में 270 रन बनाए। उनका औसत 20.77 और स्ट्राइक रेट 147.54 का रहा।

3 जुलाई को होगी ‘नागाबंधम’ रिलीज



■ 2026 की सबसे मच-अवेटीड और बड़ी फिल्मों में से एक ‘नागाबंधम’ अपनी अनाउसमेंट के बाद से ही लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। मेकर्स ने हर एक अपडेट के साथ दर्शकों के बीच फिल्म को लेकर उत्सुकता बनाए रखी है, जिसकी शुरुआत धमाकेदार टीजर और इसके बाद पहले गाने ‘नमो रे’ से हुई, जिसने इंटरनेट पर आते ही तहलका मचा दिया था। अब, मेकर्स ने अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया हैंडलस पर फिल्म की रिलीज के लिए ‘30 दिनों का काउंटडाउन’ शुरू कर दिया है। ‘नागाबंधम’ 3 जुलाई 2026 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

आमिर खान 5 जुलाई को तीसरी बार करेंगे शादी

बॉलीवुड के सुपरस्टार आमिर खान अब अपनी जिंदगी के नए अध्याय की शुरुआत करने जा रहे हैं। एनडीटीवी को सूत्रों ने बताया कि आमिर 5 जुलाई को अपनी प्रेमिका गौरी स्प्रैट से निजी समारोह में शादी करेंगे। यह शादी बेहद गुपचुप और सीमित मेहमानों के बीच होगी। आमिर ने पिछले साल अपने 60वें जन्मदिन पर मीडिया के सामने गौरी को पेश किया था और तब से उनकी जोड़ी चर्चा का विषय बनी हुई है।

गौरी स्प्रैट कौन हैं?

गौरी स्प्रैट मूल रूप से बेंगलुरु की रहने वाली हैं और उन्होंने अपना अधिकांश जीवन वहीं बिताया। उनकी मां रीटा स्प्रैट बेंगलुरु में एक सैलून की मालकिन हैं। गौरी ने ब्लू माउंटन स्कूल से पढ़ाई की और 2004 में यूनिवर्सिटी ऑफ द आर्ट्स, लंदन से फैशन कोर्स, FDA स्टूडिंग्स और फोटोग्राफी पूरा किया। वर्तमान में वह मुंबई में बोलिवुड सैलून चला रही हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, गौरी की एक सात साल की बच्ची भी है।



GAME & GLAMOUR



आमिर और गौरी का प्यार

आमिर ने एक इंटरव्यू में कहा कि गौरी उनके जीवन में आने के बाद उन्हें सभी खुशी मिली है। उन्होंने कहा कि मैं बहुत खुशकिस्मत हूँ कि गौरी मेरी जिंदगी में आईं। हमारे बीच का रिश्ता बेहद खास है। मुझे लगता है अब मैं जाकर मुकम्मल हुआ हूँ। आमिर और गौरी ने पिछले साल तक कई सार्वजनिक कार्यक्रमों में साथ में भाग लिया, जिसमें चीन के मकाऊ इंटरनेशनल कॉमेडी फेस्टिवल भी शामिल है।

रणवीर सिंह से हटा बैन

डॉन 3 छोड़ने को लेकर बीते समय में धुरंधर फिल्म अभिनेता रणवीर सिंह का नाम काफी चर्चा में रहा है। निर्माता फरहान अख्तर की शिकायत के बाद फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज (FWICE) की तरफ से रणवीर सिंह बैन यानी नॉन-कोऑपरेशन डायरेक्टिव लागू की गई थी, जिसका तमाम सेलेब्स ने भी विरोध जताया। अब इस विवाद को लेकर FWICE ने यूटर्न लिया है और तत्काल प्रभाव से रणवीर सिंह बैन हटाने का फैसला लिया है। इस मामले को लेकर मुंबई में हुई एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान FWICE अध्यक्ष ने इस बात का एलान किया है।

रणवीर से हटा बैन

बुधवार को डॉन 3 विवाद को लेकर रणवीर सिंह पर FWICE द्वारा लगाई गई नॉन-कोऑपरेशन डायरेक्टिव को लेकर चर्चा हुई। रणवीर से बैन हटाए जाने वाली प्रेस रिलीज को भी जारी किया गया है। इतना ही नहीं रणवीर सिंह बैन मामले को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज (FWICE) के अध्यक्ष अशोक पंडित ने कहा है कि डॉन 3 को लेकर रणवीर सिंह के खिलाफ जारी नॉन-कोऑपरेशन डायरेक्टिव (असहयोग आदेश) वापस ले रहे हैं। संबंधित सभी पक्षों से इस मामले पर चर्चा की जाएगी और इसका समाधान निकाला जाएगा। FWICE का ये फैसला उस समय में आया है, जब रणवीर सिंह द्वारा कमेटी के फैसले को चुनौती दी गई और उनके खिलाफ केस फाइल करने की योजना बनाई गई। इसके लिए रणवीर की तरफ से FWICE को लौगल नोटिस भी भेजा गया।

अमिताभ बच्चन संग काम करने के बाद भी नहीं मिला अरुणा ईरानी को काम

अरुणा ईरानी कई सालों से इंडस्ट्री में काम कर रही हैं। उन्होंने कई नेगेटिव रोल निभाए हैं करियर में, लेकिन इसके बावजूद उन्हें दर्शकों का खूब प्यार मिला है। अब अरुणा हाल ही में राजीव खंडेलवाल के शो तुम हो ना-घर का सुपरस्टार में नजर आईं। इस दौरान अरुणा ने अपनी जर्नी के शुरुआत के दिनों के बारे में बात की। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे 2 सुपरहिट फिल्मों देने और अमिताभ बच्चन के साथ काम करने के बाद भी उनके पास 3 साल तक काम नहीं था।

अरुणा दरअसल, शो में एक कंटेस्टेंट की इमोशनल स्टोरी सुनकर इमोशनल हो गईं। वह बोलीं हैं कि कोई भी काम छोटा नहीं होता। इसके बाद वह अपने करियर के सबसे मुश्किल फेज पर बात करती हैं। वह बोलीं हैं कि जब मैंने एक बॉम्बे टू गोवा फिल्म की, कारावान फिल्म की। दोनों फिल्में सुपरहिट थीं। सुपर सिनेमा में जुबली और ड्रीमलैंड में जुबली थी। इसके बाद फिर अवानक 3 साल तक मेरे पास कोई काम नहीं था। जब मैंने काम शुरू किया तो क्या शुरू क्या...एक लावणी किया मराठी फिल्म में और काफी हिम्मत से किया, नहीं मुझे जाना है, मुझे देखना है कि मैं जिंदा हूँ।

जरूरी नहीं कि आपको परफेक्ट होना ही चाहिए : विक्की कौशल

अभिनेता विक्की कौशल अपने एक बयान को लेकर चर्चा में आ गए हैं। उन्होंने शादी को लेकर किए गए जोक पर ट्रोल होने के मामले पर अब अपनी बात रखी है। विक्की कौशल का इस साल मार्च में एक वीडियो सामने आया था। इसमें वह शादी जोक मारते हुए नजर आए थे। इसके लिए उन्हें आलोचना का सामना करना पड़ा था। इस मामले पर उन्होंने कहा कि किसी पब्लिक फिगर के लिए हर समय परफेक्ट होना जरूरी नहीं है।

आलोचना के हकदार होते हैं

विक्की कौशल ने कहा कि लोग उन्हें कैसे देखते हैं, इस पर उनका कोई कंट्रोल नहीं है। उन्होंने कहा कि ऐसा बिल्कुल नहीं है कि सिर्फ इसीलिए कि आप एक पब्लिक फिगर हैं, आपको परफेक्ट होना ही चाहिए। कभी-कभी हम आलोचना के हकदार होते हैं। शायद मेरे लिए इसमें सीखने वाली बात यह है कि जितना लोग मुझे प्यार दे रहे हैं, उसके साथ एक खास तरह की जिम्मेदारी भी आती है।

वायरल वीडियो में क्या था?

वायरल हुए वीडियो में विक्की कौशल ने वहां मौजूद लोगों से पूछा था हाउज द जोश?। इस बात पर लोगों ने जवाब दिया था हाई सर। फिर विक्की ने मजाकिया अंदाज में कहा हामैंने देखा है कि बैचलर्स का जोश हमेशा हाई रहता है। हम शादीशुदा लोगों का जोश साल दर साल कम होता रहता है। (दुल्हे की तरफ इशारा करते हुए) लेकिन टेशन लेने की बात नहीं है, 4 दिन में जोश कम नहीं होता। विक्की के इस जोक को लोगों ने सोशल मीडिया पर पसंद नहीं किया था। विक्की कौशल जल्द ही संजय लीला भंसाली के निर्देशन में बन रही फिल्म ‘लव एंड वॉर’ में नजर आएंगे। इस फिल्म में रणवीर कपूर और आलिया भट्ट भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। इस रोमांटिक ड्रामा के इस साल रिलीज होने की उम्मीद थी, लेकिन अभी भी इस पर काम चल रहा है। अब यह जनवरी 2027 में रिलीज होगी।